RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 153
दि. 02.10.2025,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

भारत की राष्ट्रपति ने गांधी जयंती की पूर्वसंध्या पर शुभकामनाएं दीं

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने गांधी जयंती की पूर्वसंध्या पर अपने संदेश में कहा: 'मैं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी 156वीं जयंती पर सभी नागरिकों की ओर से अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। यह हम सब के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्शों और मूल्यों के प्रति खुद को समर्पित करने का अवसर है। गांधीजी का शांति, सहिष्णुता और सचाई का संदेश समूची मानवता के लिए प्रेरणा है। उन्होंने अपना समूचा जीवन छुआछूत, निरक्षरता, बुरी आदतों और अन्य सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन के लिए समर्पित किया। उन्होंने अपने अटूट निश्चय से समाज के कमजोर वर्गों को शक्ति और समर्थन दिया।

प्रधानमंत्री ने फिलीपींस में भूकंप से हुई जन-हानि पर शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने फिलीपींस के भूकंप के कारण जन-हानि और व्यापक क्षति पर गहरा दुख

व्यक्त किया है।

श्री मोदी ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने यह भी दोहराया कि इस कठिन समय में भारत फिलीपींस के साथ एकजुटता से खड़ा है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया:

"फिलीपींस में आए भूकंप से हुई जन-हानि और व्यापक क्षति की खबर सुनकर अत्यंत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अटल टनल का उद्घाटन करेंगे

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 3 अक्टूबर 2020 को प्रात:10 बजे रोहतांग में अटल टनल का उद्घाटन करेंगे।

अटल टनल दुनिया की सबसे लंबी राजमार्गटनल है। यह टनल9.02 किलोमीटर लंबी है। यह पूरे साल मनाली कोलाहौल-स्पीति घाटी से जोड़कर रखती है। इससे पहले यह घाटी भारी बर्फबारी के कारण लगभग 6 महीने तक अलग-थलग रहती थी।

यह टनलहिमालय की पीर पंजाल श्रृंखला में औसत समुद्र तल (एमएसएल) से 3000 मीटर (10,000 फीट) की ऊंचाई पर अति-आधुनिक विनिदेशों के साथ बनाई गई है।

यह टनल मनाली और लेह के बीच सड़क की दूरी 46 किलोमीटर कम करती हैऔर दोनों स्थानों के बीच लगने वालेसमय में भी लगभग 4 से 5 घंटे की बचत करती है।

अटल टनल का दक्षिण पोर्टल (एसपी) मनाली से 25 किलोमीटर दूर 3060 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जबकि इसका उत्तर पोर्टल

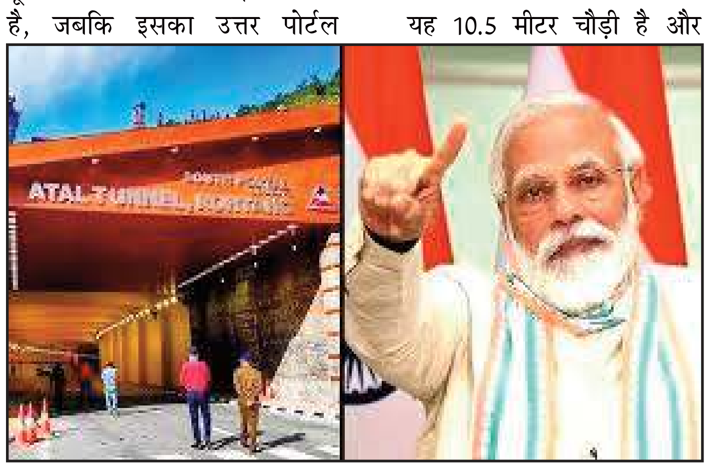

(एनपी) लाहौल घाटी में तेलिंगसिस्सुगांव के पास 3071 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

यह घोड़े की नाल के आकार में8 मीटर सड़क मार्ग के साथ सिंगल ट्यूब और डबल लेन वाली टनल है। इसकी ओवरहेड निकासी 5.525 मीटर है।

यह 10.5 मीटर चौड़ी है और इसमें 3.6७ 2.25 मीटर फायर प्रूफ आपातकालीन निकास टनल भी है, जिसे मुख्य टनल में ही बनाया गया है।

अटल टनल को अधिकतम 80 किलोमीटर प्रति घंटे की गति के साथ प्रतिदिन 3000 कारों और 1500 ट्रकों के यातायात घनत्व के लिए डिजाइन किया गया है।

यहटनल सेमी ट्रांसवर्स वेंटिलेशन सिस्टम,एससीएडीएनियंत्रित अग्निशमन, रोशनी और निगरानी प्रणाली सहित अति-आधुनिक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल प्रणाली से युक्त है।

इस टनल में पर्याप्त सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसकी कुछ प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:-

(ए) दोनों पोर्टल पर टनल प्रवेश बैरियर।

(बी) आपातकालीन संचार के लिए प्रत्येक 150 मीटर दूरी पर टेलीफोन कनेक्शन।

(सी) प्रत्येक 60 मीटर दूरी पर फायर हाइड्रेंट तंत्र।

यूपी के सभी 75 जिलों में दीपावली से पहले 10 दिन तक होगा ये खास काम, सीएम योगी ने दी सहमति

(जीएनएस)।

यूपी के सभी 75 जिलों में इस साल दीपावली से पहले 'स्वदेशी मेला' आयोजित होगा. यह पहल राज्य के हस्तशिल्पियों, कारीगरों और उद्यमियों के लिए एक बड़ा मंच साबित होगी. एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि इस साल राज्य के सभी 75 जिलों में लगभग 9 से 10 दिन तक यह मेले आयोजित होंगे. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसकी अनुमति दे दी है.

मंत्री सचान ने बताया कि यह आयोजन उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (वढक्ळर) के बैनर तले होगा और इसके तहत सभी मेले में स्वदेशी मेले की थीम प्रमुख रहेगी. उनका कहना था कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लोकल टू वोकल के आह्वान को आगे बढ़ाने और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है.

मंत्री राकेश सचान ने बताया कि पहले इस तरह के मेले केवल 18

मंडलों तक ही सीमित थे, लेकिन इस बार प्रदेश के सभी 75 जिलों में इनके आयोजन का फैसला लिया गया है. इससे कारीगरों और हस्तशिल्प उद्यमियों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंच का अवसर मिलेगा. इसके अलावा, जीएसटी सुधारों के लाभ भी ग्राहकों तक पहुंचेंगे, जिससे स्वदेशी उत्पादों की कीमतों में पारदर्शिता और बढ़ोतरी होगी. सचान ने कहा, 'हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को अब बड़े पैमाने पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा. यह न केवल कारीगरों की आय बढ़ाएगा, बल्कि उपभोक्ताओं को भी गुणवत्तापूर्ण वस्तुएँ उचित मूल्य पर उपलब्ध होंगी.

मेलों का शुभारंभ और स्थानीय उत्पादों की प्रमुखता

इन मेलों का शुभारंभ प्रत्येक जिले में मंत्री और विधायक करेंगे. प्रदर्शनी में हर जिले के विशेष स्थानीय उत्पादों को प्रमुखता दी जाएगी. इसका उद्देश्य न केवल कारीगरों और उद्यमियों के लिए लाभकारी बाजार तैयार करना है, बल्कि उपभोक्ताओं को भी सीधे मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण सामान उपलब्ध कराना है.

केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव उच्च-गुणवत्तापूर्ण डिजिटल शिक्षा सर्वसुलभ बनाने के लिए तैयार किए गए प्लेटफॉर्म, नाइलिट डिजिटल विश्वविद्यालय का शुभारंभ करेंगे

(जीएनएस)।

केंद्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा सूचना और प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव कल नई दिल्ली में उच्च-गुणवत्ता पूर्ण डिजिटल शिक्षा सर्वसुलभ बनाने के लिए तैयार किए गए एनआईईएलआईटी डिजिटल यूनिवर्सिटी (एनडीयू) प्लेटफॉर्म का उद्घाटन करेंगे।

यह प्लेटफॉर्म आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, डेटा साइंस, सेमीकंडक्टर जैसे विशिष्ट तकनीकों और संबद्ध क्षेत्रों में उद्योग-केंद्रित पाठ्यक्रम और अनुकूल डिजिटल शिक्षण मोड और वर्चुअल लैब से युक्त होगा। इससे युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कौशल प्रदान किया जा सकेगा।

श्री वैष्णव मुजफ्फरपुर (बिहार), बालासोर (ओडिशा), तिरुपति (आंध्र प्रदेश), दमन (दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव) और लुंगलेई (मिजोरम) में पांच नए एनआईईएलआईटी केंद्रों का आभासी

माध्यम से उद्घाटन करेंगे। इन नए एनआईईएलआईटी केंद्रों के विस्तार के साथ, देश में तकनीकी भविष्य को आकार देने में एनआईईएलआईटी की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाएगी।

कार्यक्रम में शिक्षा और उद्योग जगत के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के साथ "शिक्षा के डिजिटलीकरण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका" पर एक पैनल परिचर्चा आयोजित की जाएगी। साथ ही, एनआईईएलआईटी और वैश्विक आईटी सेवा कंपनी किंड्रिल द्वारा संयुक्त रूप से संचालित डीईवी एसईसी ओपीएस पाठ्यक्रम में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, उद्योग-अकादमिक सहयोग मजबूत करने के लिए अग्रणी उद्योग भागीदारों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

आयोजन में एनआईईएलआईटी के छात्र, प्रख्यात शिक्षाविद और तकनीकी विशेषज्ञ सहित 1,500 से अधिक प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है।

वित्तीय मजबूती, संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग और परिचालन तत्परता को बनाए रखा गया: रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

(जीएनएस)।

"जहां पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों के शौर्य और साहस को एक ऐतिहासिक और निर्णायक जीत हासिल करते हुए देखा, वहीं रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) की शांत लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका ने कुशल संसाधन उपयोग, वित्तीय प्रबंधन और युद्ध की तैयारी सुनिश्चित की," रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 01 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित रक्षा लेखा विभाग के 278वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान इस बात पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभाग की ऐतिहासिक विरासत और भारत के सशस्त्र बलों की वित्तीय रीढ़ के रूप में इसकी निरंतर भूमिका की सराहना की। उन्होंने रक्षा लेखा विभाग को एक ऐसी संस्था बताया जो न केवल वित्तीय विवेक और पारदर्शिता सुनिश्चित करती है, बल्कि सेनाओं को संसाधनों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करके परिचालन तत्परता को भी मजबूत करती है।

रक्षा मंत्री ने रेखांकित किया, "रक्षा लेखा विभाग केवल एक लेखा संगठन नहीं है; यह एक सशक्त साधन है जो राष्ट्र के आर्थिक चक्र की सुचारू कार्यप्रणाली सुनिश्चित करता है। यह वह अदृश्य सेतु है जो वित्त और सशस्त्र

बलों को जोड़ता है। हमारे सैनिकों के शौर्य के पीछे आपका मौन लेकिन निर्णायक योगदान है।"

शासन की जीवन धारा के रूप में वित्त के महत्व को रेखांकित करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि एक राष्ट्र की शक्ति उसकी वित्तीय नींव की मजबूती में परिलक्षित होती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शासन और रक्षा मशीनी के सुचारू संचालन के लिए वित्त का स्थिर प्रवाह आवश्यक है।

रक्षा मंत्री ने विभाग की इस बात के लिए प्रशंसा की कि उसने 30 सितंबर, 2025 तक पूंजीगत बजट व्यय का 50 प्रतिशत पहले ही बुक कर लिया है, जो कुशल उपयोग का स्पष्ट प्रतिबिंब है। उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष में शत-प्रतिशत उपयोग प्राप्त करने के लिए विभाग को बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष भी यही गति जारी रहेगी।

रक्षा मंत्री ने डिजिटल इंडिया पहल के तहत आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए रक्षा विभाग की सराहना की।

उन्होंने ई-रक्षा आवास परियोजना की सफलता, निधि 1.0 के निधि 2.0 में उन्नयन और ट्यूलिप 2.0 की ओर हो रहे बदलाव पर प्रकाश डाला, जिससे वित्तीय प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ेगी। श्री राजनाथ सिंह ने नियमों और प्रक्रियाओं के बारे में सटीक जानकारी प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए एआई चैटबॉट 'ज्ञान साथी' के आंतरिक विकास की सराहना की। उन्होंने कहा, "ये प्रगतिशील सुधार दक्षता और पारदर्शिता के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने में रक्षा लेखा विभाग की सक्रिय भावना को प्रदर्शित करते हैं। ये डिजिटल रूप से सशक्त रक्षा वित्त प्रणाली की ओर बढ़ने के भारत के दृढ़ संकल्प को भी रेखांकित करते हैं।"

अनुसंधान और विकास को सुगम बनाना

आधुनिक, प्रौद्योगिकी-संचालित युद्ध की बढ़ती जटिलता को स्वीकार करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास को नए सिरे से बढ़ावा देने का आह्वान किया।

भारतीय नौसेना ने पैसिफिक रीच अभ्यास (एक्सपीआर-25) में अपनी वैश्विक पनडुब्बी बचाव क्षमता का सफल प्रदर्शन किया

(जीएनएस)।

भारतीय नौसेना की पनडुब्बी बचाव इकाई (पूर्व) ने आईएनएस निस्तार पर सवार होकर रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर नेवी (आरएसएन) द्वारा आयोजित एक्सपीआर-25 में अपनी उत्कृष्ट सटीकता एवं कार्य कुशलता का प्रदर्शन किया। इस इकाई ने लगातार तीन दिनों तक अंतर्राष्ट्रीय पनडुब्बियों के साथ तीन सफल मिलाप अभियानों को पूरा किया, जिसके माध्यम से हस्तक्षेप और बचाव कार्यों की संपूर्ण क्षमताओं का प्रदर्शन हुआ। इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने वैश्विक पनडुब्बी बचाव क्षेत्र में भारत की सशक्त स्थिति को और सुदृढ़ किया है।

इस अभ्यास का आयोजन 15-25 सितंबर, 2025 तक किया गया, जिसमें 40 से अधिक देशों ने भाग लिया। दो चरणों में संपन्न इस बहुपक्षीय अभ्यास का मुख्य उद्देश्य पनडुब्बी बचाव अभियानों में समन्वय एवं आपसी

सहभागिता की क्षमताओं को विस्तार प्रदान करना था। इस दौरान तीन बचाव इकाइयां —एमवी स्विफ्ट रेस्क्यू (आरएसएन), जेएस चियोदा (जापान) और आईएनएस निस्तार— अपनी-अपनी मदर शिप्स से सवार होकर सक्रिय रूप से अभ्यास में शामिल रहीं। इन्होंने रिपब्लिक ऑफ कोरिया नेवी, जापान मैरीटाइम सेल्फ डिफेन्स फोर्स (जेएमएसडीएफ) और रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर नेवी (आरएसएन) की पनडुब्बियों के साथ-साथ 'निष्क्रिय पनडुब्बियों' (डीआईएसएसयूबी) की भूमिका निभा रही अन्य पनडुब्बियों के साथ संयुक्त अभ्यास किए।

तटीय चरण के दौरान हुए व्यावसायिक आदान-प्रदान और अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा संगोष्ठी ने भारत को अपने गहरे जलमग्न बचाव वाहन (डीएसआरवी) प्रणाली के दर्शन तथा बचावोपरांत चिकित्सा तैयारियों को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। इसके बाद दक्षिण चीन सागर में आयोजित समुद्री चरण ऐतिहासिक उपलब्धियों का साक्षी बना। भारतीय डीएसआरवी टाइगर एक्स ने 23 सितंबर, 2025 को हिंद महासागर क्षेत्र से बाहर अपना पहला गोता लगाया और आरओके नौसेना की पनडुब्बी शिन डोल-सियोक (एस-082) के साथ पहली बार सफल मेटिंग कर इतिहास रचा। इसके अतिरिक्त, भारतीय डीएसआरवी ने आरएसएन की पनडुब्बी आरएसएस इनविंसिबल के साथ एक और उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की।

लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने राष्ट्रीय कैडेट कोर के महानिदेशक का पदभार संभाला

(जीएनएस)।

लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने 01 अक्टूबर, 2025 को लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह के स्थान पर राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के महानिदेशक का पदभार ग्रहण किया। वे ऐसे समय में कार्यभार संभाल रहे हैं जब दुनिया का सबसे बड़ा वदीर्धारी युवा संगठन, एनसीसी, 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में अपने कैडेटों की संख्या 20 लाख तक बढ़ा रहा है। एनसीसी एकता और अनुशासन के अपने आदर्श वाक्य के साथ चरित्र निर्माण और देशभक्ति पर अपने पारंपरिक फोकस के साथ नवाचार, डिजिटल कौशल और वैश्विक जागरूकता को एकीकृत करते हुए विकसित भारत@2047 के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है।

17 दिसंबर, 1988 को भारतीय

सेना की 19 कुमाऊँ रेजिमेंट में कमीशन प्राप्त लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स अपने साथ 37 वर्षों का विशिष्ट अनुभव लेकर आए हैं। उनके पास उग्रवाद-रोधी और आतंकवाद-रोधी परिस्थितियों में काम करने का अनुभव है और उन्होंने अरुणाचल प्रदेश, कश्मीर घाटी और सेना मुख्यालय में महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। उन्होंने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत एक इन्फैंट्री ब्रिगेड की भी कमान संभाली है। इस नियुक्ति से पहले वे वेलिंगटन स्थित डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज में कमांडेंट थे।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला, भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून, रक्षा प्रबंधन महाविद्यालय, सिकंदराबाद और राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली के पूर्व छात्र, लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स अपने साथ संचालन और नेतृत्व का व्यापक अनुभव लेकर आए हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने विजयादशमी की शुभकामनाएँ दीं

गांधीनगर, 01 अक्टूबर: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सभी नागरिकों को विजयादशमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं।

श्री पटेल ने विजयादशमी की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह पर्व आसुरी

शक्ति पर दैवी शक्ति के विजय का उमंग पर्व है। यह पर्व मनुष्य में रहे दुर्गुणरूपी आंतरिक शत्रुओं तथा नकारात्मक ऊर्जा पर विजय प्राप्त करने का भी है।

उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की है कि शक्ति की भक्ति के नवरात्रि उत्सव के बाद आने वाला यह विजयादशमी पर्व समाज में सद्भावना, समरसता, सौहार्द, आपसी प्रेम, बंधुता तथा सबके साथ-सबके विकास की मंशा पूरी करने वाला और आततायी शक्तियों को नष्ट करने वाला बने।

सम्पादकीय

ट्रंप का शांति फार्मूला

पश्चिम एशिया में शांति को प्राथमिकता देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फामूर्ला पेश किया है उसके तहत हमास को हथियार छोड़कर समर्पण करना होगा। इजरायल ने तो इस फामूर्ले को मानने की बात की है किंतु हमास ने अभी वुछ भी नहीं कहा है। ट्रंप ने यह फामूर्ला पेश करने के बाद हमास से दो टूक शब्दों में कहा है कि आपके पास मात्र 3-4 दिन हैं, अन्यथा होगा दुःखद अंत होगा। ट्रंप के इस फामूर्ले का रूस, फलस्तीन और यूरोपीय देशों ने समर्थन किया तो हमास ने विचार करने की बात कही।

दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप पर भी गाजा को लेकर न सिर्फ इस्लामिक देशों का दबाव है बल्कि उसके मित्र देशों का ही ज्यादा दबाव है जो फलस्तीन राज्य की मान्यता को स्वीकार करते हुए गाजा में इजरायली हमलों की निंदा कर रहे हैं। इजरायल आए दिन किसी न किसी मुस्लिम देश को निशाना बनाता रहा है इससे परेशान होकर सभी 57 इस्लामिक देशों ने निर्णय लिया कि वे भी नाटो की तर्ज पर एक सुरक्षा गठबंधन बनाएंगे।

इस्लामिक देशों द्वारा इजरायल के खिलाफ एकजुटता दिखाते हुए उसके अस्तित्व को ही खत्म करने की जब बात की गई तो ट्रंप को लगा कि अब समय बिल्वुल सही है क्योंकि इजरायल आसानी से कोई शांति समझौता नहीं मानता किंतु इस्लामिक देशों की नाराजगी से वह भी सहम गया। ट्रंप ने सोचा कि यदि अमेरिका ने इजरायल पर दबाव डालकर गाजा पर हमला बंद करा भी दिया तो हमास अपनी आतंकी प्रवृत्ति छोड़ने वाला नहीं है। यद्यपि इजरायल आतंक के 3एच इकोसिस्टम यानि हूती, हिजबुल्लाह और हमास को तबाहकर चुका है फिर यदि ट्रंप हमास को एक अवसर देना ही चाहते हैं तो इजरायली प्रधानमंत्री ने किसी तरह का एतराज नहीं किया। फ्रांस-ब्रिटेन जैसे देश जिन्होंने ट्रंप को ठेंगा दिखाते हुए फलस्तीन राज्य को मान्यता दे दी उन्हें फलस्तीन से सहानुभूति तो है किंतु वे किसी भी हालत में हमास के प्रति कोई संवेदना नहीं रखते। हमास ऐसा आतंकी संगठन है जो फलस्तीन के ही आस्तीन का सांप है। फलस्तीन को मिलने वाली दुनियाभर की आर्थिक मदद को वह हमेशा से चट कर रहा है किंतु फलस्तीन के प्रति कोई भी देश द्वेष नहीं रखता।

असल में फलस्तीन सरकार को हमास ने ऐसा मजबूर कर दिया कि उसकी कोई आवाज सुनने वाला नहीं रहा जबकि हमास आतंकी गतिविधियों के कारण इजरायल के निशाने पर आ गया। ऐसा नहीं है कि फलस्तीन से गैर हमास नागरिक इजरायल के खिलाफ हथियार नहीं उठाते थे। वे भी हथियार उठाते थे किंतु आत्मरक्षा के लिए। यासर अराफात के पदचिन्हों पर चलने वालों को यह समझ में बहुत जल्दी आ चुका था कि इजरायल एक हकीकत बन चुका है। इसीलिए उन्होंने आतंकी रास्ता छोड़ने में ही अपनी भलाई समझी किंतु हमास ने तो आतंकी गतिविधियों को अपनाकर फलस्तीना की पूरी छवि ही बदल दी। फलस्तीन को मिलने वाला अनुदान तो हमास हथियाता ही थे साथ ही ईरान और वुछ अन्य इजरायल विरोधी देशों से भी मदद लेकर हथियारों का जखीरा तैयार कर लिया।

7 अक्टूबर 2023 यदि न हुआ होता तो हमास के खिलाफ इजरायल इतना इक्सट्रीम पोजीशन न लेता। हमास की व्रूरता ने भी उसे अलग- थलग कर दिया क्योंकि इस्लामिक देशों ने भी हमास द्वारा इजरायली महिलाओं एवं बूढ़े नागरिकों के अपहरण और उनके साथ की जाने वाली व्रूरता से अत्यधिक असहज हो गए थे। अमेरिका की सहमति से इजरायल ने जब ईरान पर हमले किए, तब भी इस्लामिक मुल्कों ने इजरायल की उतनी कड़ी आलोचना नहीं की थी जितनी कि सभी ने कतर पर हुए इजरायली हमले के बाद एकजुटता दिखाई।

असल में हुआ यह कि हमास आतंकियों को मारने के लिए इजरायल ने कतर पर ही हमला कर दिया जबकि कतर एक ऐसा तटस्थ देश है जो दो युद्धरत देशों के बीच सुलह कराता है। जैसे ही कतर पर इजरायल ने हमला किया तो सारे इस्लामिक देशों को अवसर मिल गया और उन्होंने राग अलापना शुरू कर दिया कि "अब इजरायल की खैर नहीं।

सरदार सरोवर नर्मदा बांध 2017 में राष्ट्र को समर्पित होने के बाद छठी बार 138.68 मीटर के पूर्ण स्तर पर छलका

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने आद्यशक्ति जगत जननी माता के आराधना पर्व शारदीय नवरात्रि की नवमी के पवित्र दिन लोकमाता नर्मदा के पावन जल का स्वागत-सत्कार किया

मुख्यमंत्री ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की यात्रा पर आए लोगों के साथ संवाद-वातार्लाप किया

मुख्यमंत्री ने सरदार साहब की 150वीं जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह तथा एकता परेड आदि कार्यक्रम कार्यक्रमों का स्थल निरीक्षण कर आयोजन का विवरण प्राप्त किया

नर्मदा बांध विद्युत परियोजनाओं से इस सीजन में 302 करोड़ यूनिट तथा अब तक कुल 6,810 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ

गांधीनगर, 01 अक्टूबरः गुजरात में जल क्रांति तथा कृषि क्रांति की जीवन रेखा नर्मदा परियोजना के सरदार सरोवर बांध का जल स्तर उसकी अधिकतम क्षमता 138.68 मीटर यानी 455 फीट पर पहुँचा है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने जगत जननी आद्यशक्ति माता के आराधना पर्व शारदीय नवरात्रि की नवमी के पवित्र दिवस बुधवार को सरदार सरोवर बांध स्थल यानी एकतानगर पहुँच कर लोकमाता नर्मदा के पावन जल की आराधना कर जल पूजन किया तथा नर्मदा जल का स्वागत-सत्कार किया।

श्री पटेल ने 10,453 गाँवों, 190 शहरों तथा 7 महानगर पालिका क्षेत्रों सहित गुजरात के कुल 4 करोड़ से अधिक लोगों को पीने का पानी प्रदान करने वाली इस सरदार सरोवर नर्मदा बांध परियोजना का जलाशय पूर्ण स्तर पर छलकने पर जल राशि का उमंग एवं उल्लासमय वातावरण में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर, 2017 को सरदार सरोवर बांध राष्ट्र को समर्पित किया, जिसके बाद यह बांध अब तक कुल 6 बार यानी वर्ष 2019, 2020, 2022, 2023, 2024 तथा 2025 में अपनी पूर्ण संग्रह क्षमता तक लबालब हुआ है। नर्मदा बांध की उसकी ऊँचाई 138.68 मीटर (455 फीट) पर कुल जल संग्रह क्षमता 9460 मिलियन घन मीटर है।

राज्य की अविरत प्रगति के छड़ीदार तथा गुजरात की पनिहार समान इस सरदार सरोवर नर्मदा बांध के पूर्ण स्तर पर पहुँची जल राशि के पूजन-अर्चन से जल शक्ति की वंदना करने की परंपरा को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने नर्मदा जल पूजन व स्वागत-सत्कार कर आगे बढ़ाया है। उन्होंने सभी से पारसमणि समान नर्मदा जल का मितव्ययितापूर्ण तथा विवेकपूर्ण उपयोग करने की अपील की।

उन्होंने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की यात्रा पर आए लोगों के साथ सहज भाव से संवाद-लातार्लाप किया और विभिन्न पर्यटन सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।

सरदार पटेल जयंती पर 31 अक्टूबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरक उपस्थिति में हर वर्ष एकता नगर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय एकता परेड इस वर्ष सरदार साहब की 150वीं जयंती के विशेष अवसर पर आयोजित होने वाली है। ऐसे में मुख्यमंत्री ने इस एकता परेड स्थल का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन का पूरा विवरण प्राप्त किया और उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया।

यहाँ यह उल्लेख करना आवश्यक है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में सेवा दायित्व संभालने के बाद केवल 17 दिनों में ही नर्मदा बांध का अधूरा कार्य पूर्ण करने तथा गेट लगाने की मंजूरी दे दी थी। राज्य सरकार ने भी तत्परता से यह कार्य शुरू कर 30 गेट लगाने सहित समग्र कार्य निर्धारित समय से 9 महीने जल्दी पूरा कर लिया था।

इसके परिणामस्वरूप इस वर्ष की वर्षा ऋतु में सुजलाम-सुफलाम तथा सौनी योजना द्वारा उत्तर गुजरात तथा कच्छ-सौराष्ट्र को पानी का वितरण किया गया है। सुजलाम-सुफलाम योजना अंतर्गत 98 एमसीएम (3431 एमसीएफटी) पानी प्रदान किया गया है तथा 877 तालाब भरे गए हैं। सौनी योजना अंतर्गत 114 एमसीएम (3992 एमसीएफटी) पानी प्रदान किया गया है और 36 तालाब, 325 तटबंध एवं 31 बांध भरे जा रहे हैं, जबकि 162 तालाब, 1104 तटबंध एवं 30 बांध भरे जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी समारोह को संबोधित किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। श्री मोदी ने इस अवसर पर सभी नागरिकों को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं और कहा कि आज महानवमी और देवी सिद्धिदात्री का दिन है। उन्होंने कहा कि कल विजयादशमी का महापर्व है, जो भारतीय संस्कृति के शाश्वत उद्घोष, अन्याय पर न्याय, असत्य पर सत्य और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि ऐसे ही पावन अवसर पर 100 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी और कहा कि यह कोई संयोग नहीं है। उन्होंने कहा कि यह हजारों वर्षों से चली आ रही एक प्राचीन परंपरा का पुनरुद्धार है, जिसमें राष्ट्रीय चेतना प्रत्येक युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए रूपों में प्रकट होती है। उन्होंने कहा कि इस युग में संघ उस शाश्वत राष्ट्रीय चेतना का एक सद्गुणी अवतार है।

श्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष का साक्षी बनना वर्तमान पीढ़ी के स्वयंसेवकों के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने राष्ट्रसेवा के संकल्प में समर्पित असंख्य स्वयंसेवकों को अपनी शुभकामनाएं भी दीं। प्रधानमंत्री ने संघ के संस्थापक और पूज्यनीय आदर्श डॉ. हेडगेवार के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने घोषणा की कि संघ की गौरवशाली 100 वर्ष की यात्रा के उपलक्ष्य में भारत सरकार ने एक विशेष डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी किया है। 100 रुपये के इस सिक्के पर एक ओर राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न तो दूसरी तरफ सिंह के साथ वरद मुद्रा में भारत माता की भव्य छवि अंकित है, जिन्हें स्वयंसेवकों द्वारा नमन किया जा रहा है। श्री मोदी ने रेखांकित किया कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में संभवतः यह पहली बार है, जब भारत माता की छवि भारतीय मुद्रा पर दिखाई दी है। उन्होंने कहा कि सिक्के पर संघ का मार्गदर्शक आदर्श वाक्य- "राष्ट्राय स्वाहा, इदं राष्ट्राय, इदं न मम" भी अंकित है।

आज जारी किए गए स्मारक डाक टिकट के महत्व और इसकी असीम ऐतिहासिक प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने 26 जनवरी के गणतंत्र दिवस परेड के महत्व को याद किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि 1963 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने देशभक्ति की धुनों पर ताल से ताल मिलाते हुए बड़े गर्व के साथ परेड में भाग लिया था। उन्होंने कहा कि यह डाक टिकट उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति को समेटे हुए है।

श्री मोदी ने इन स्मारक सिक्कों और डाक टिकट के जारी होने पर देशवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा, "यह स्मारक डाक टिकट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों के अटूट समर्पण को भी दशार्ता है, जो राष्ट्र की सेवा और समाज को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार महान नदियां अपने तटों पर मानव सभ्यताओं का पोषण करती हैं, उसी प्रकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी असंख्य लोगों को पोषित और समृद्ध किया है। एक नदी जो अपनी निकटस्थ भूमि, गांवों और क्षेत्रों को पल्लवित और पोषित करते हुए बहती है और संघ, जिसने भारतीय समाज के हर कार्यक्षेत्र और राष्ट्र के हर क्षेत्र को छुआ है, के बीच तुलना करते हुए, श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि यह निरंतर समर्पण और एक शक्तिशाली राष्ट्रीय धारा का परिणाम है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और एक नदी की तुलना करते हुए, जो अनेक धाराओं में विभाजित होकर अलग-अलग क्षेत्रों को पोषित करती है, प्रधानमंत्री ने कहा कि संघ की यात्रा इसी का प्रतिबिंब है, जहां इसके विभिन्न सहयोगी संगठन जीवन के सभी पहलुओं- शिक्षा, कृषि, समाज कल्याण, जनजातीय उत्थान, महिला सशक्तिकरण, कला और विज्ञान तथा श्रम सेक्टर में राष्ट्र सेवा में संलग्न हैं। श्री मोदी ने रेखांकित किया कि संघ के अनेक धाराओं में विस्तार के बावजूद उनमें कभी विभाजन नहीं हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा, "प्रत्येक धारा, विविध क्षेत्रों में कार्यरत प्रत्येक संगठन, एक ही उद्देश्य और भावनाः राष्ट्र प्रथम को साझा करता है।"

श्री मोदी ने कहा, "अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने महान उद्देश्य- राष्ट्र निर्माण को अपनाया है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए संघ ने राष्ट्रीय विकास की नींव के रूप में वैयक्तिक विकास का मार्ग चुना है। इस मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने के लिए संघ ने एक अनुशासित कार्य पद्धतिः शाखाओं का दैनिक और नियमित संचालन अपनाई है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "पूज्य डॉ. हेडगेवार समझते थे कि राष्ट्र तभी वास्तविक रूप से सशक्त होगा जब प्रत्येक नागरिक अपने दायित्व के प्रति जागरूक होगा; भारत तभी उन्नति करेगा जब प्रत्येक नागरिक राष्ट्र के लिए जीना सीखेगा।" उन्होंने कहा कि इसीलिए डॉ. हेडगेवार अद्वितीय दृष्टिकोण अपनाते हुए लोगों के विकास के लिए प्रतिबद्ध रहे। श्री मोदी ने डॉ. हेडगेवार के मार्गदर्शक सिद्धांत को उद्धृत कियाः "लोगों को वैसे ही स्वीकार करो जैसे वे हैं, उन्हें वैसा बनाओ, जैसा उन्हें होना चाहिए।" उन्होंने डॉ. हेडगेवार के जन-सम्पर्क के तरीके की तुलना एक कुम्हार से की, जो साधारण मिट्टी से शुरूआत करता है, उस पर लगन से काम करता है, उसे आकार देता है, पकाता है और अंततः ईंटों का उपयोग करके एक भव्य संरचना का निर्माण करता है। उसी तरह डॉ. हेडगेवार ने सामान्य व्यक्तियों का चयन किया, उन्हें प्रशिक्षित किया, दूरदृष्टि प्रदान की और राष्ट्र के लिए समर्पित स्वयंसेवकों के रूप में आकार दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसीलिए संघ के बारे में कहा जाता है कि वहां सामान्य लोग असाधारण और अभूतपूर्व कार्यों को पूरा करने के लिए एकजुट होते हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं में वैयक्तिक विकास की महान प्रक्रिया के निरंतर फलने-फूलने पर प्रकाश डालते हुए, श्री मोदी ने शाखा स्थल को प्रेरणा का एक पवित्र स्थल बताया, जहां एक स्वयंसेवक सामूहिक भावना का प्रतिनिधित्व करते हुए "मैं" से "हम" की ओर अपनी यात्रा आरंभ करता है। उन्होंने कहा कि ये शाखाएं चरित्र निर्माण की यज्ञ वेदी हैं, जो शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देती हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि शाखाओं के भीतर, राष्ट्र सेवा की भावना और साहस की जड़ें पनपती हैं, त्याग और समर्पण स्वाभाविक हो जाते हैं, व्यक्तिगत श्रेय की लालसा कम हो जाती है और स्वयंसेवक सामूहिक निर्णय लेने और टीमवर्क के मूल्यों को आत्मसात कर लेते हैं।

इस बात पर बल देते हुए कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्ष की यात्रा तीन आधारभूत स्तंभों- राष्ट्र निर्माण की भव्य परिकल्पना, वैयक्तिक विकास का स्पष्ट मार्ग और शाखाओं के रूप में सरल किन्तु गतिशील कार्य पद्धति- पर आधारित रही है। श्री मोदी ने कहा कि इन स्तंभों के आधार पर संघ ने लाखों स्वयंसेवकों को तैयार किया है, जो समर्पण, सेवा और राष्ट्रीय उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध प्रयास के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र को आगे बढ़ा रहे हैं।

श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि अपनी स्थापना के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी प्राथमिकताओं को राष्ट्र की प्राथमिकताओं के साथ संयोजित किया है। उन्होंने कहा कि हर युग में संघ ने देश के सामने आने वाली बड़ी चुनौतियों का डटकर सामना किया है। स्वतंत्रता संग्राम का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि पूज्य डॉ. हेडगेवार और कई अन्य कार्यकताओं ने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था और डॉ. हेडगेवार को कई बार कारावास भी भुगतना पड़ा था। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि संघ ने अनेक स्वतंत्रता सेनानियों की सहायता की और उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। उन्होंने चिमूर में 1942 के आंदोलन का उदाहरण दिया, जहां कई स्वयंसेवकों ने ब्रिटिश शासन के भीषण अत्याचार सहे थे। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भी संघ ने हैदराबाद में निजाम के उत्पीड़न का विरोध करने से लेकर गोवा और दादरा एवं नगर हवेली की मुक्ति में योगदान देने तक- बलिदान देना जारी रखा। पूरे आंदोलन में संघ की मूल भावना "राष्ट्र प्रथम" रही और उसका अटल लक्ष्य "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" रहा।

इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को राष्ट्रसेवा की अपनी यात्रा में अनेक आक्रमणों और षड्यंत्रों का सामना करना पड़ा है, श्री मोदी ने स्मरण किया कि कैसे स्वतंत्रता के बाद भी संघ को दबाने और उसे मुख्यधारा में शामिल होने से रोकने के प्रयास किए गए। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पूज्य गुरुजी को झूठे मामलों में फंसाकर जेल भेज दिया गया था। फिर भी रिहा होने पर गुरुजी ने अत्यंत धैर्य के साथ कहा, "कभी-कभी जीभ दांतों तले फंस जाती है और कुचल जाती है। लेकिन हम दांत नहीं तोड़ते, क्योंकि दांत और जीभ दोनों हमारी हैं।" प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कठोर यातनाएं और विभिन्न प्रकार के उत्पीड़न सहने के बावजूद गुरुजी ने किसी के प्रति कोई द्वेष या दुर्भावना नहीं रखी। उन्होंने गुरुजी के ऋषितुल्य व्यक्तित्व और वैचारिक स्पष्टता को प्रत्येक स्वयंसेवक के लिए एक मार्गदर्शक बताया, जो समाज के प्रति एकता और सहानुभूति के मूल्यों को सुदृढ़ करता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि चाहे प्रतिबंधों, षड्यंत्रों या झूठे मुकदमों का सामना करना पड़ा हो, स्वयंसेवकों ने कभी कटुता को स्थान नहीं दिया, क्योंकि वे समझते थे कि वे समाज से अलग नहीं हैं - समाज उनसे बना है, जो अच्छा है वह उनका है और जो कम अच्छा है, वह भी उनका ही है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कभी भी कटुता नहीं रखी, इसका एक प्रमुख कारण लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं में प्रत्येक स्वयंसेवक की अटूट आस्था है। उन्होंने आपातकाल के दौरान स्वयंसेवकों को सशक्त और प्रतिरोध करने की शक्ति प्रदान करने का स्मरण किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समाज के साथ एकता और संवैधानिक संस्थाओं में आस्था, इन दो मूलभूत मूल्यों ने स्वयंसेवकों को हर संकट में धैर्यवान और सामाजिक आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील बनाए रखा है। समय के साथ अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए भी संघ एक विशाल वटवृक्ष की तरह अडिग रहकर राष्ट्र और समाज की निरंतर सेवा करता रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी स्थापना के समय से ही देशभक्ति और सेवा का पर्याय रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि विभाजन के कष्टदायक दौर में, जब लाखों परिवार विस्थापित हुए थे, स्वयंसेवक सीमित संसाधनों के बावजूद शरणार्थियों की सेवा में सबसे आगे खड़े रहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह केवल राहत कार्य नहीं था, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को सुदृढ़ करने का कार्य था।

प्रधानमंत्री ने 1956 में गुजरात के अंजार में आए विनाशकारी भूकंप का भी उल्लेख किया और व्यापक विनाश का वर्णन किया। उस समय भी स्वयंसेवक राहत और बचाव कार्यों में सक्रिय रूप से लगे हुए थे। उन्होंने बताया कि पूज्य गुरुजी ने गुजरात में संघ के तत्कालीन प्रमुख वकील साहब को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि दूसरों के दुख दूर करने के लिए निःस्वार्थ भाव से कष्ट सहना, एक नेक हृदय का प्रतीक है।

श्री मोदी ने 1962 के युद्ध को याद करते हुए कहा, "दूसरों के दुखों को दूर करने के लिए कष्ट सहना प्रत्येक स्वयंसेवक की पहचान है।" उन्होंने कहा कि उस युद्ध में आरएसएस के स्वयंसेवकों ने सशस्त्र बलों की अथक सहायता की, उनका मनोबल बढ़ाया और सीमावर्ती गांवों तक सहायता पहुंचाई। प्रधानमंत्री ने 1971 के संकट का भी उल्लेख किया, जब पूर्वी पाकिस्तान से लाखों शरणार्थी बिना किसी आश्रय या संसाधन के भारत पहुंचे थे। उस कठिन समय में स्वयंसेवकों ने भोजन की व्यवस्था की, आश्रय प्रदान किया, स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं, उनके आंसू पोंछे और उनके दर्द को साझा किया। श्री मोदी ने कहा कि स्वयंसेवकों ने 1984 के दंगों के दौरान भी कई सिखों को शरण दी थी।

यह स्मरण करते हुए कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम चित्रकूट में नानाजी देशमुख के आश्रम में होने वाले सेवा कार्यकलापों से बहुत हतप्रभ थे।

रजनीगंधा लखनऊ और कानपुर में लेकर आया जागरण फिल्म फेस्टिवल

दमदार कहानियों और नामचीन हस्तियों से उठेगा पर्दा

लखनऊ/कानपुर,: रजनीगंधा द्वारा प्रस्तुत 13वें जागरण फिल्म फेस्टिवल (जेएफएफ) ने लखनऊ और कानपुर में दो शानदार आयोजनों के साथ सार्थक सिनेमा का जश् न मनाने के अपने विजन को आगे बढ़ाया। इस फेस्टिवल ने एक बार फिर सिनेमा प्रेमियों, फिल्म निमार्ताओं और परिवारों को एकजुट किया और ऐसी कहानियाँ दिखाईं जो साहस, संस्कृति और समुदाय की भावना को दशार्ती हैं। लखनऊ चैप्टर का उद्घाटन फन सिनेमा, फन रिपब्लिक मॉल में हुआ, जहां उत्तर प्रदेश के सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक श्री विशाल सिंह ने फिल्म 'जनावर' के निर्देशक शचिंद्र वत्स, अभिनेताओं भुवन अरोड़ा और विजय विक्रम सिंह, साथ ही दैनिक जागरण और रजनीगंधा के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ दीप प्रज्ज्वलन किया। स्क्रीनिंग में सुभाष कपूर की 'जॉली एलएलबी 3' शामिल थी, जिसने अपनी मजेदार कोर्टरूम कॉमेडी से दर्शकों को खूब हंसाया। इसमें 'मेहता एंड कंपनी', 'नानी', 'रूटलेस', और 'पापा की पिक्चर' जैसी भावनात्मक लघु फिल्में भी दिखाई गईं। लखनऊ में एक खास आकर्षण अभिनेता ताहिर राज भसीन का प्रेरणादायक और विचारपूर्ण सत्र था, जिसमें उन्होंने अपनी यात्रा के बारे में बात की और इस बात पर जोर दिया कि असली सफलता चेहरे के बजाय किरदार के रूप में पहचाने जाने में है। उन्होंने युवा अभिनेताओं को अनुशासन में रहने, लगातार अभ्यास करने और फौरी लोकप्रियता के बजाय सार्थक कहानियों पर ध्यान देने की सलाह दी। 'जनावर' को प्रमोट करने के लिए फेस्टिवल में शामिल हुए अभिनेता भुवन अरोड़ा ने कहा, 'जेएफएफ जैसे फेस्टिवल इसलिए खास हैं क्योंकि ये हमें उन लोगों के करीब लाते हैं जिनके लिए हम रचनाएँ करते हैं। दर्शकों के साथ बैठकर उनकी हँसी सुनना या उनकी खामोशी महसूस करना किसी भी अभिनेता के लिए अनमोल पुरस् कार है। मैं इस यात्रा का हिस्सा बनकर आभारी हूँ, जहाँ हमारी संस्कृति से जुड़ी कहानियाँ सीधे लोगों के दिलों तक पहुँचती हैं।ह्व महत्वाकांक्षी अभिनेताओं और फिल्म निमार्ताओं को संबोधित करते हुए, अभिनेता ताहिर राज भसीन ने कहा, 'यदि एक अप्रशिक्षित अभिनेता कोई सीन करता है, तो वह कभी-कभी अच्छा लग सकता है। लेकिन एक प्रशिक्षित अभिनेता के पास उसी सीन को 25 अलग-अलग तरीकों से करने की क्षमता होती है और वह सबसे अच्छा तरीका चुनता है। इसलिए, जीवन में आपको सिर्फ अच्छे की नहीं, बल्कि महान बनने की ओर बढ़ना चाहिए। एक क्रिएटिव एंटरप्रेन् योर बनने की कोशिश करें, इससे आपको एक कंपनी के सीईओ जैसा अनुभव मिलेगा।ह्व कानपुर में, फेस्टिवल का उद्घाटन 19 सितंबर को रेव-3 मॉल, एवी सिनेमा ऑडी में हुआ। इसका उद्घाटन संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आशुतोष कुमार, जिला मजिस्ट्रेट श्री जितेंद्र प्रताप सिंह, और रजनीगंधा के रितेश गुप्ता तथा दैनिक जागरण के ग्रुप डायरेक् टर सुनील गुप्ता जैसी जानीमानी हस्तियों ने भाग लिया। तीन दिनों तक, कानपुर के दर्शकों ने 'जॉली एलएलबी 3' से लेकर विवेक अग्निहोत्री की 'द बंगाल फाइल्स' तक कई प्रभावशाली फिल्में देखीं। निर्देशक और अभिनेता दर्शन कुमार को दर्शकों के साथ बातचीत के दौरान स् टैंडिंग ओवेशन भी मिला। इस चैप्टर में जेएफएफ लिटिल लाइट भी था, जो युवा आवाजों का उत्सव था, जहाँ बच्चों और माता-पिता ने 'बाइसिकिल डेज' जैसी फिल्मों का आनंद लिया। अन्य मुख्य आकर्षणों में 'फुले', 'रुबरु', 'मंडी हाउस का मेंटल', और 'माई आर्मेनियन फैंटम' जैसी अंतरराष्ट्रीय फिल्में शामिल थीं। मास्टरक्लासेस और बातचीत ने अनुभव को और बेहतर बना दिया, जिसमें 3ऊ कलाकार दीपक पंत ने सिनेमा में एआई और वीएफएक् स पर सत्र आयोजित किया, अभिनेता यशपाल शर्मा और निर्देशक इरफान खान के साथ रोचक बातचीत हुई, और बिग बॉस के प्रतिष्ठित नैरेटर विजय विक्रम सिंह ने प्रेरणादायक संबोधन दिया। बसंत राठौड़, सीनियर वीपी- स् ट्रैटेजी एंड बिजनेस डेवलपमेंट, जागरण प्रकाशन लिमिटेड, ने कहा, 'बेहतरीन सिनेमा सिर्फ कहानियाँ सुनाने का साधन नहीं है, बल्कि यह समाज और संस्कृति से गहरा संवाद करता है। जागरण फिल्म फेस्टिवल का हर संस्करण इस संवाद को और व्यापक बनाने की कोशिश करता है, ताकि यह बड़े शहरों से निकलकर भारत के हर कोने तक पहुँचे। लखनऊ और कानपुर में दर्शकों का उत्साह दिखाता है कि लोग ऐसी कहानियों से जुड़ना चाहते हैं जो सोच को चुनौती दें, भावनाएँ जगाएँ और हमारी संस्कृति को नया आयाम दें। जेएफएफ न सिर्फ फिल्मों का मंच है, बल्कि एक ऐसी जगह है जहाँ विचार, पहचान और सपने एक साथ आते हैं।

ऐरो स्टाइल के नए दौर के लिए, वेदांग रैना और खुशी कपूर बने नए ब्रांड एंबेसडर

लखनऊ, 1 अक्टूबर 2025 झ ऐरो, इंडिया का लीडिंग प्रीमियम मेन्सवेयर ब्रांड, जिसकी 170 से अधिक वर्षों की हेरिटेज है, ने गर्व से एक्टर्स वेदांग रैना और खुशी कपूर को अपने न्यूएस्ट ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। यह कोलैबोरेशन इस आइकॉनिक लेबल के लिए एक एक्साइटिंग नए चैप्टर की शुरूआत है, क्योंकि ब्रांड नई जनरेशन के लिए कंटेम्परररी स्टाइल को फिर से रिडिफाइन कर रहा है।

खुशी कपूर, अपने एफर्टलेस एलिगेंस और मॉडर्न आउटलुक के साथ, ब्रांड में एक फ्रेश एनर्जी लाती हैं और ऐरो के एलिगेंस और सोफिस्टिकेशन को कॉम्प्लिमेंट करती हैं। वहीं, अपने करिश्माई स्क्रीन प्रेजेंस और यूथफुल चार्म के लिए जाने जाने वाले वेदांग रैना, ऐरो मैन को परफेक्टली दशार्ते हैं - जो कॉन्फिडेंट, डायनामिक और शानदार तरीके से ग्रूम्ड है।

इस एसोसिएशन पर बात करते हुए, ऐरो इंडिया के सीईओ, आनंद अय्यर ने कहा, 'ऐरो हमेशा स्टाइल, कॉन्फिडेंस और सोफिस्टिकेशन के लिए जाना जाता है। वेदांग और खुशी आज के एस्पिरेशनल इंडिया को रिप्रेजेंट करते हैं, जो असलियत में विश्वास रखते हैं, लेकिन मॉडर्निटी को अपनाने से डरते नहीं हैं। उनकी पर्सनैलिटी हमारे विजन के साथ पूरी तरह से अलाइन होती है, जो ऐसे मॉडर्न पुरुषों के लिए हैह्व

इस कोलैबोरेशन के एक पार्ट के रूप में, वेदांग और खुशी ऐरो के आने वाले कैंपेन 'टेलर्ड फॉर द गुड लाइफ' में फीचर होंगे। यह कैंपेन न्यूयॉर्क की सेटिंग में शूट किया गया है, जो ब्रांड की आइडेंटिटी को एक होमेज है। यह कैंपेन ऐरो के कॉन्फिडेंस, रिफाइंड ग्रूमिंग और एफर्टलेस स्टाइल सेलिब्रेट करने के एथॉस को रिफ्लेक्ट करता है झ ये ऐसी क्वालिटीज हैं जो नई जनरेशन के कंस्यूमर्स के साथ गहराई से जुड़ती हैं ।

यह पार्टनरशिप अपनी ऑडियंस के साथ बदलते दौर के साथ आगे बढ़ने की ऐरो की कमिटमेंट पर जोर देती है, और साथ ही अपनी क्राफ्ट्समैनशिप और इनोवेशन की शानदार लेगसी को भी कायम रखती है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे ने ईएमयू और ट्रैक्शन रखरखाव में महिला शक्ति को आगे बढ़ाया

मुंबई,

परंपरागत धारणाओं से आगे, प्रगति की ओर कदम!

पश्चिम रेलवे मुंबई के उपनगरीय रेल नेटवर्क को सुरक्षित और कुशलतापूर्वक चलाने के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी भूमिकाओं में महिलाओं को सशक्त बनाकर मानदंडों को पुनर्परिभाषित और समावेशिता को बढ़ावा दे रही है। अत्याधुनिक ईएमयू रेकों के रखरखाव से लेकर हाई-वोल्टेज ट्रैक्शन प्रणालियों के प्रबंधन तक, महिला तकनीशियन उन भूमिकाओं में कदम रख रही हैं, जिन्हें कभी पुरुषों का क्षेत्र माना जाता था और यह साबित कर रही हैं कि विशेषज्ञता और समर्पण लिंग-भेद से परे हैं।

शहर की रफ़्तार के पीछे समर्पित महिलाएँ: पश्चिम रेलवे की महिला टीम कारशेड में ईएमयू रेक्स के महत्वपूर्ण रखरखाव कार्य सूक्ष्मता और समर्पण के साथ करती हैं, जिससे सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित होता है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई सेंट्रल, कांदिवली और विरार में स्थित ईएमयू कारशेड मुंबई की जीवन रेखा के रखरखाव की रीढ़ हैं। ये कारशेड यातायात की माँग के अनुसार ईएमयू रेकों के सुरक्षित और विश्वसनीय संचालन को सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे संचालित होते हैं, जहाँ 112 रेकों पर अनुसूचित और अनिर्धारित दोनों तरह के रखरखाव किए जाते हैं। अत्याधुनिक 3-फेज एसी (25 केवी अल्टरनेटिंग करंट) तकनीक वाले ये रेक क्रमशः 60 और 240 दिनों के अंतराल पर दो प्रमुख रखरखाव अनुसूचियों, आईए और आईसी, से गुजरते हैं। इन अनुसूचियों के दौरान कुल 45 गतिविधियाँ की जाती हैं, जिनमें से तीन प्रमुख कार्यों में सुरक्षा मंजूरी का मापन, तेल लगाना और बैटरी जाँच शामिल हैं।

इन प्रमुख केंद्रों पर समर्पित महिला टीमों की तैनाती एक उल्लेखनीय विशेषता है। मुंबई सेंट्रल, कांदिवली और विरार स्थित ईएमयू कारशेड में तैनात लगभग 100 महिला तकनीशियनों और पर्यवेक्षकों को ये महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। ये टीमें सुनिश्चित करती हैं कि सभी सुरक्षा मानदंड आरडीएसओ द्वारा निर्धारित अनुमेय सीमाओं के भीतर हों और ल्ूब्रिकेंट एवं बैटरी संबंधी सभी गतिविधियाँ सटीकता और दक्षता के साथ संपन्न हों। कुशल, सतर्क और शून्य विफलताओं को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध, ये महिलाएँ पश्चिम रेलवे की परिचालन उत्कृष्टता की खोज का उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

यह भी उल्लेखनीय है कि पश्चिम रेलवे के मुंबई उपनगरीय कर्षण (टीआरडी) विभाग ने महालक्ष्मी कर्षण सबस्टेशन पर शहर की पहली महिला-प्रधान रखरखाव टीम की स्थापना की है, जिसने लैंगिक समावेशन में एक नया मानक स्थापित किया है। रखरखाव टीमें विश्वसनीय उपनगरीय ट्रेन संचालन की रीढ़ होती हैं क्योंकि ये टीमें एसी कर्षण प्रणाली में बिजली आपूर्ति प्रतिष्ठानों के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करती हैं। इस महिला-प्रधान इकाई ने सबस्टेशन पर 25 केवी और 110 केवी उपकरणों के प्रबंधन और रखरखाव के लिए गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया है और अब इसे सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करते हुए स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए आधिकारिक तौर पर तैनात किया गया है। यह अभूतपूर्व पहल बदलती सामाजिक गतिशीलता को रेखांकित करती है। इस टीम का गठन न केवल पश्चिम रेलवे के लिए एक मील का पत्थर है, बल्कि तकनीकी और परिचालन क्षेत्रों में विविधता के प्रति इसकी प्रगतिशील दृष्टि और प्रतिबद्धता को भी दशार्ता है। महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे की भूमिकाओं में महिलाओं को नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाकर, पश्चिम रेलवे परिवर्तन को प्रेरित करता है और एक अधिक समावेशी भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है।

जिम करने से शरीर फिट रहता है : इरफान सिद्दीकी

(जीएनएस)।

सलोंन, रायबरेली। नगर के श्याम मार्केट में स्पेशल फोर्सेज फिटनेस जिम का भव्य शुभारंभ, उद्घाटन नगर पंचायत सलोंन के अध्यक्ष पद के पूर्व प्रत्याशी इरफान सिद्दीकी के कार्यक्रमों द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नौजवान उपस्थित रहे। जिम का उद्घाटन फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में युवा नेता इरफान सिद्दीकी ने कहा कि जिम करने से शरीर स्वस्थ व फिट रहता है। जिम संचालक मोहम्मद

इरफान, मोहम्मद रजी, कांग्रेस नगर अध्यक्ष मोहम्मद अयाज उर्फ काजू ,पूर्व सभासद इसरार हैदर, सभासद शरीफ गड्डी, सभासद फिरोज अहमद ,शिक्षक नेता राम जी सरोज, तैयब खान, जैद खान, इमरान घोसी ,मोहम्मद इमरान मास्टर, समीर आलम, मोहम्मद फहद खान, फरदीन हैदर, तहसीन , सनी , मोनू सिंह,सीजान हैदर, अनूप यादव, किटी साहू, साहिल, तौफीक, रिजवान, हाजी सफी, मुख्य रूप से मौजूद रहे जिम के अंदर युवा साथी मां श्रीवास्तव का केक काट के जन्म दिवस भी मनाया गया। उपस्थित लोगों ने शुभकामनाएं दी।

कैबिनेट ने असम में एनएच-715 के कालीबोर-नुमालीगढ़ सेक्शन के मौजूदा राजमार्ग को 4 लेन का बनाने और चौड़ा करने को मंजूरी दी

इसमें काजीरंगा नेशनल पार्क (केएनपी) खंड पर प्रस्तावित वन्यजीवों के प्रति अनुकूल पैमाने के अनुसार कार्यान्वयन शामिल है

कैरिजवे की कुल लंबाई 85.675 किलोमीटर है और इस पर 6957 करोड़ रुपये का वित्तीय बोझ पड़ेगा

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक कार्य की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने असम में काजीरंगा नेशनल पार्क (केएनपी) खंड पर प्रस्तावित वन्यजीव के प्रति अनुकूल पैमाने के अनुसार कार्यान्वयन के साथ, राष्ट्रीय राजमार्ग-715 के कालीबोर-नुमालीगढ़ सेक्शन के मौजूदा कैरिजवे को चौड़ा करने और उसे चार लेन का बनाने को मंजूरी दी। यह परियोजना इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और निर्माण (ईपीसी) मोड पर तैयार की जाएगी, जिसकी कुल लंबाई 85.675 किलोमीटर और कुल पूंजीगत लागत 6957 करोड़ रुपये होगी।

एनएच-715 (पुराना एनएच-37) का मौजूदा कालीबोर-नुमालीगढ़ सेक्शन पक्के कंधों के साथ/ बिना 2-लेन का है, जो जाखलाबंधा (नागांव) और बोकाखाट (गोलाघाट) कस्बों के घनी आबादी वाले क्षेत्रों से होकर गुजरता है। मौजूदा राजमार्ग का एक बड़ा हिस्सा या तो काजीरंगा नेशनल पार्क से होकर गुजरता है या उद्यान की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ, 16 से 32 मीटर के प्रतिबंधित राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) के साथ, जो काफी खराब ज्यामितीय आकृतियों के कारण और भी बदतर हो गया है। मॉनसून के दौरान, पार्क के अंदर का क्षेत्र पानी से भर जाता है, जिससे वन्यजीव पार्क से मौजूदा राजमार्ग को पार करके ऊंचे कार्बी-आंगलोंग पहाड़ियों की ओर चले जाते हैं। राजमार्ग पर चौबीसों घंटे भारी यातायात के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं और जंगली जानवरों की मौत होती है।

इन चुनौतियों से समाधान के लिए, इस परियोजना में लगभग 34.5 किलोमीटर लंबे एक एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण शामिल होगा, जो काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से कार्बी-आंगलोंग पहाड़ियों तक वन्यजीवों की संपूर्ण आवाजाही को कवर करेगा ताकि वन्यजीवों का मुक्त और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही, 30.22 किलोमीटर लंबी मौजूदा सड़क का अपग्रेडेशन और जाखलाबंधा तथा बोकाखाट के आस-पास 21 किलोमीटर लंबे ग्रीनफील्ड बाईपास का निर्माण भी किया जाएगा। इससे मौजूदा कॉरिडोर पर भीड़भाड़ कम होगी, सुरक्षा में सुधार होगा और गुवाहाटी (राज्य की राजधानी), काजीरंगा नेशनल पार्क (पर्यटन स्थल) और नुमालीगढ़ (एक औद्योगिक शहर) के बीच सीधा संपर्क बढ़ेगा।

यह परियोजना 2 प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच-127, एनएच-129) और 1 प्रदेश राजमार्ग (एसएच-35) को जोड़ती है, जिससे पूरे असम के प्रमुख आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक्स केंद्रों को निर्बाध संपर्क मिलता है। इसके अतिरिक्त, अपग्रेडेड कॉरिडोर 3 रेलवे स्टेशनों (नागांव, जाखलबंधा, विश्वनाथ चरली) और 3 हवाई अड्डों (तेजपुर, लियाबारी, जोरहाट) से जुड़कर बहु-मॉडल एकीकरण को बढ़ाएगा, जिससे पूरे क्षेत्र में माल और यात्रियों की तेज आवाजाही संभव होगी। यह परियोजना 2 सामाजिक-आर्थिक केंद्रों, 8 पर्यटन और धार्मिक स्थलों से संपर्क को बेहतर बनाएगी, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास और धार्मिक पर्यटन को बल मिलेगा।

पूरा होने पर, कालीबोर-नुमालीगढ़ खंड क्षेत्रीय आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, प्रमुख पर्यटन, औद्योगिक और आर्थिक केंद्रों के बीच संपर्क को सुदृढ़ करेगा, काजीरंगा नेशनल पार्क में पर्यटन को प्रोत्साहन देगा और व्यापार एवं औद्योगिक विकास के नए रास्ते खोलेगा।

श्रीदेवी असहाय सेवा संस्थान में हुआ शतचंडी महायज्ञ : सैंकड़ों कन्या और लांगुरा को प्रसाद वितरित कर भेंट किए उपहार

मथुरा (जीएनएस)। श्रीदेवी असहाय सेवा संस्थान के तत्वाधान में सरस्वती कुंड के निकट मां दुर्गा मंदिर में नवरात्रि के पवित्र पर्व पर शतचंडी पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। दुर्गा नवमी एवं विजया दशमीं पर पूज्य स्वामी महेशानंद सरस्वती (वृंदावन) के सानिध्य में शतचंडी महायज्ञ के हवन में देवी मां के भक्तो ने पूर्ण आहुति दी। इसके पश्चात पुजारी द्वारा देवी मां की महाआरती की गई। महाआरती के उपरांत कन्याओं और लांगुरिया का पूजन कर लगभग 350 बच्चों को प्रसाद ग्रहण कराके उपहार भेंट किए गए। कार्यक्रम के अंत में

महिलाओ द्वारा भजन कीर्तन किया गया। जिसमें महिलाओं द्वारा बड़ा प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, सबसे बड़ा तेरा नाम है शेरावाली, शक्ति दे मां भक्ति दे मां आदि भजनों की प्रस्तुति दी। जिसमें मौजूद भक्त भी नृत्य करने पर मजबूर हो गए। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीदेवी असहाय सेवा संस्थान के सचिव सुरेश कुशवाह, उषा कुशवाह (अध्यक्षा) , स्वामी चंदन सिंह प्रेमी (राष्ट्रीय संरक्षक अ. भा. कु. महासभा, आगरा), मदनगोपाल (समाजसेवी, वृंदावन), महेंद्र सिंह भाटिया, अजीत सिंह, डा. अविनाश सिंह, भगवान सिंह, सत्यप्रकाश लवानियां, रामजीलाल मिश्रा, गिरीश बाबू, रवीन्द्र कुमार, अंकित सिंह, जया सिंह, दिव्या सिंह और कन्हैया आदि मौजूद रहे।

कैबिनेट ने 5862 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से देश भर में सिविल क्षेत्र के अंतर्गत 57 नए केंद्रीय विद्यालय (केवीएस) खोलने को मंजूरी दी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बच्चों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उनके बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए देश भर में सिविल क्षेत्र के अंतर्गत 57 नए केंद्रीय विद्यालय (केवी) खोलने को मंजूरी दे दी है। 57 नए केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना के लिए निधियों की कुल अनुमानित आवश्यकता 5862.55 करोड़ रुपये (लगभग) है, जो 2026-27 से नौ वर्षों की अवधि को कवर करती है। इसमें 2585.52 करोड़ रुपये (लगभग) का पूंजीगत व्यय और 3277.03 करोड़ रुपये (लगभग) का परिचालन व्यय शामिल है। उल्लेखनीय है कि पहली बार इन 57 केंद्रीय विद्यालयों को बाल वाटिका, यानी बुनियादी चरण (प्री-प्राइमरी) के 3 वर्षों के साथ मंजूरी दी गई है।

भारत सरकार ने रक्षा और अर्धसैनिक बलों सहित केन्द्र सरकार के स्थानांतरणीय और गैर-स्थानांतरणीय कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरे देश में एक समान मानक की शैक्षिक सुविधाएं प्रदान करने हेतु नवम्बर 1962 में केंद्रीय विद्यालयों की योजना को मंजूरी दी थी। परिणामस्वरूप, "केंद्रीय विद्यालय संगठन" को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की एक इकाई के रूप में शुरू किया गया था।

नए केंद्रीय विद्यालय खोलना एक निरंतर प्रक्रिया है। मंत्रालय और केवीएस को नए केंद्रीय विद्यालय खोलने के लिए केंद्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों सहित विभिन्न प्रायोजक प्राधिकरणों से नियमित रूप से प्रस्ताव प्राप्त होते हैं। अब तक 1288 कार्यात्मक केंद्रीय विद्यालय हैं, जिनमें से 3 विदेशों में हैं- मास्को, काठमांडू और तेहरान। 30.06.2025 तक छात्रों का कुल नामांकन 13.62 लाख (लगभग) है।

पहले स्वीकृत 85 केंद्रीय विद्यालयों के साथ, यह तात्कालिक प्रस्ताव पुरे भारत में विस्तार के साथ संतुलन बनाते हुए केंद्रीय विद्यालयों की उच्च मांग को पूरा करता है। सीसीईए ने गृह मंत्रालय द्वारा प्रायोजित 7 केंद्रीय विद्यालयों और राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों द्वारा प्रायोजित शेष 50 केंद्रीय विद्यालयों को मंजूरी दी है। केंद्रीय विद्यालयों के लिए 57 नए प्रस्ताव कम सेवा वाले और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। यह प्रस्ताव एक दृष्टिकोण को दशार्ता है, जो समावेशिता और राष्ट्रीय एकीकरण को मजबूत करने के लिए उत्तर, दक्षिण और पश्चिम में संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करते हुए पूर्व में विकास को बढ़ावा देता है। दिसंबर 2024 में स्वीकृत 85 केंद्रीय विद्यालयों के साथ आगे बढ़ते हुए, इस प्रस्ताव में 17 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल किया जा रहा है। इन 57 केंद्रीय विद्यालयों में से 20 ऐसे जिलों में खोले जाने का प्रस्ताव है, जहां केन्द्र सरकार के कर्मचारियों की अच्छी-खासी संख्या के बावजूद वर्तमान में कोई केंद्रीय विद्यालय नहीं है। इसके अलावा, आकांक्षी जिलों में 14 केवी, वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में 4 केवी तथा पूर्वोत्तर/पहाड़ी क्षेत्रों में 5 केवी प्रस्तावित हैं। दिसंबर 2024 में दी गई 85 केंद्रीय विद्यालयों की मंजूरी के क्रम में, उन राज्यों को प्राथमिकता देते हुए 57 नए केंद्रीय विद्यालयों को मंजूरी दी गई है, जिन्हें मार्च 2019 से कवर नहीं किया गया था।

परियोजना के कार्यान्वयन के लिए प्रशासनिक ढांचे में लगभग 1520 विद्यार्थियों की क्षमता वाले एक पूर्ण केन्द्रीय विद्यालय के संचालन के लिए संगठन द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुरूप पदों के सृजन की आवश्यकता होगी। अतः इससे 86640 विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। प्रचलित मानदंडों के अनुसार, एक पूर्ण विकसित केवी (बालवाटिका से बारहवीं कक्षा तक) 81 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करता है और तदनुसार, 57 नए केवी की मंजूरी से कुल 4617 प्रत्यक्ष स्थायी रोजगार के अवसर पैदा होंगे। सभी केंद्रीय विद्यालयों में विभिन्न सुविधाओं के संवर्धन से संबद्ध निर्माण और संबद्ध गतिविधियों से अनेक कुशल और अकुशल कामगारों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, 913 केंद्रीय विद्यालयों को पीएम श्री विद्यालय के रूप में नामित किया गया है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन को दशार्ता है। शिक्षा की गुणवत्ता, नवीन शिक्षण और अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे के कारण केंद्रीय विद्यालय सबसे अधिक मांग वाले विद्यालयों में से हैं। केंद्रीय विद्यालयों में बाल वाटिका/कक्षा 1 में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले छात्रों की संख्या हर साल लगातार बढ़ रही है और सीबीएसई द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षाओं में केंद्रीय विद्यालयों के छात्रों का प्रदर्शन सभी शिक्षा प्रणालियों में लगातार सर्वश्रेष्ठ रहा है।

इस प्रकार, केंद्रीय विद्यालयों को आदर्श विद्यालय के रूप में प्रस्तुत करते हुए, यह प्रस्ताव सुनिश्चित करता है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उन राज्यों तक पहुंचेगी, जिनका भारत सरकार के पिछले अनुमोदनों में प्रतिनिधित्व कम/गैर-प्रतिनिधित्व था, साथ ही साथ बड़ी संख्या में केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों वाले क्षेत्रों में कवरेज को मजबूत किया जाएगा, यहां तक कि आकांक्षी जिलों में भी और भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण और सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में केवीएस नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा।

बीस करोड़ की ठगी करने वाले से महज 110 रूपए हुए बरामद : साइबर पुलिस की कार्यशैली पर लोग उठा रहे सवाल

-जनपद में चर्चा, एक कद्दावर नेता के दबाव में चल रही पुलिस

मथुरा (जीएनएस)। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने

शिवगौरा गौशाला खोलने की आड़ में 20 करोड की ठगी करने वाले गैंग का एक सक्रिय सदस्य को महज 110 रूपए की बरामदगी दिखाकर गिरफ्तार किया है। गौशाला के नाम पर झांसा देकर करोड़ों की ठगी करने वाले गैंग के सदस्य से महज 110 रूपए बरामद होना साइबर क्राइम पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। जानकारी के अनुसार थाना साइबर क्राइम पुलिस, फरार चल रहे साइबर अपराधियों को पकड़ने के लिए प्रयास कर रही थी। उसी दौरान मुखबिर की सूचना पर गौशाला की आड़ में 20 करोड़ रुपए की साइबर ठगी करने वाले गैंग के सक्रिय सदस्य इमरान पुत्र आसू खां निवासी ऊषा नर्स वाली गली मोहल्ला मेवाती, औरंगाबाद थाना सदर बाजार, मथुरा मूल निवासी सहार थाना बरसाना को रांची बांगर के सामने नरसिंहपुरा रोड़ से गिरफ्तार कर लिया। करोड़ों की ठगी में शामिल आरोपी से पुलिस ने दो मोबाइल और महज 110 रुपए बरामद किए हैं। साइबर पुलिस द्वारा की गिरफ्तारी और महज 110 रूपए बरामद करना पूरे जनपद में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि 20 करोड़ की ठगी में शामिल पकड़ा गया शातिर ठग क्या अपनी जेब में महज 110 रूपए लेकर घूम रहा था या फिर भाजपा के एक कद्दावर नेता के दबाव में पुलिस कार्रवाई करने का केवल दिखावा कर रही है। हालांकि पुलिस इस मामले में पूर्व में गैंग के कई सदस्यों को गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है लेकिन नगदी बरामद करने के मामले में साइबर पुलिस अभी तक शून्य पर ही खड़ी हुई है।

मिशन शक्ति फेज-5 में नगर निगम ने किया महिला सफाई मित्रों का सम्मान

मथुरा (जीएनएस)। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के क्रम में नगर निगम प्रशासन द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसीक्रम में बुधवार को नगर निगम प्रशासन ने स्वच्छता ही सेवा, एवं 'मिशन शक्तिह्व अभियान के अंतर्गत वार्ड संख्या 60 स्थित पवित्र पोतरा कुंड परिसर के निकट महिला सफाई मित्रों का विशेष सम्मान किया गया। इस मौके पर महिला सफाई मित्रों के अथक परिश्रम एवं समाज में स्वच्छता के लिए उनके अमूल्य योगदान को सराहते हुए उन्हें पटुका एवं प्रमाण पत्र भेंट करके सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्हें समाज में स्वच्छता और सशक्तिकरण की प्रेरणादायी मिसाल के रूप में गौरवान्वित किया गया। नगर निगम का यह प्रयास न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में सार्थक कदम है, बल्कि उनकी गरिमा, अधिकार एवं सम्मान की रक्षा का दृढ़ संकल्प है।

कैबिनेट ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों को महंगाई भत्ते की तीन प्रतिशत अतिरिक्त किस्त और पेंशनभोगियों को महंगाई राहत मंजूरी दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों को महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों को महंगाई राहत (डीआर) की एक अतिरिक्त किस्त जारी करने की स्वीकृति दी, जो 01 जुलाई, 2025 से प्रभावी माना जाएगा।

यह मूल वेतन/पेंशन के मौजूदा 55 प्रतिशत की दर में 3 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि है, जिससे मूल्य वृद्धि की भरपाई की जा सके। महंगाई भत्ते और महंगाई राहत दोनों में बढ़ोतरी से प्रति वर्ष राजकोष पर 10083.96 करोड़ रुपये का संयुक्त प्रभाव पड़ेगा। महंगाई भत्ते में वृद्धि से केंद्र सरकार के लगभग 49.19 लाख कर्मचारी और 68.72 लाख पेंशनभोगी लाभान्वित होंगे।

यह वृद्धि सातवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के स्वीकृत फॉमूर्ले के अनुरूप है।

मुख्यमंत्री योगी का आपत्तिजनक फोटो वायरल करने वाला दबोचा

मथुरा (जीएनएस)। थाना सुरीर पुलिस ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आपत्तिजनक फोटो स्टेटस पर लगाने वाले अवांछनीय तत्व को गिरफ्तार कर लिया। बताते चलें कि पिछले दिनों अज्ञात व्यक्ति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आपत्तिजनक फोटो स्टेटस पर लगाकर प्रदेश का माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया था। पुलिस को इसकी जानकारी हुई तो गहनता से जांच की गई। पुलिस की जांच में मुख्यमंत्री का आपत्तिजनक फोटो वायरल करने वाले शांति के दुश्मन अवांछनीय तत्व की पहचान हो गई। इसके बाद एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में थाना प्रभारी सुरीर अभय शर्मा पुलिस टीम के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले शातिर की तलाश में ताबड़तोड़ दबिशें दे रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली

कि मुख्यमंत्री का आपत्तिजनक फोटो वायरल करने वाला शातिर कहीं भागने की फिराक में सैनानी गेट के पास खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अभय शर्मा पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे शातिर इरशाद पुत्र अहसान अली निवासी गांव परसोती गढ़ी थाना सुरीर को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल बरामद किया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

अभिषेक शर्मा के वर्ल्ड रिकॉर्ड में उड़ गए दिग्गज, आईसीसी रैंकिंग में हासिल की धमाकेदार उपलब्धि

(जीएनएस)।

अभिषेक शर्मा ने आईसीसी टी20 रैंकिंग में धमाल मचाने का काम किया है, ताजा रैंकिंग में उन्होंने ऐसी उपलब्धि हासिल की हा, जिसके करीब कोई नहीं है। एशिया कप में अपनी धमाकेदार फॉर्म की वजह से उन्होंने आईसीसी टी20 रैंकिंग में तहलका मचा दिया है।

टी20 में नंबर एक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने पहले स्थान की रैंकिंग में रिकॉर्ड रेटिंग पॉइंट्स हासिल किये हैं, विराट कोहली जैसे दिग्गज को भी उन्होंने पीछे छोड़ा है। करियर बेस्ट रैंकिंग के साथ ही अभिषेक शर्मा ने एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम कर दिया है।

अभिषेक का वर्ल्ड रिकॉर्ड

टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में अब तक कोई भी खिलाड़ी 920 अंकों का आंकड़ा हासिल नहीं कर पाया था लेकिन अभिषेक शर्मा ने इसे एक ही टूनार्मेंट में हासिल करते हुए अन्य सभी प्लेयर्स को पछाड़ दिया। उनके पास अब 931 रेटिंग पॉइंट्स हैं, जो आईसीसी रैंकिंग के इतिहास में सर्वाधिक है, अगर इसी तरह उनका बल्ला चलता रहा, तो रैंकिंग और आगे जाएगी। इससे पहले सबसे ज्यादा अंकों का रिकॉर्ड डेविड मलान के नाम था, मलान ने 919 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किये थे।

इस लिस्ट में सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली का नाम भी है। सूर्या ने 912 अंक हासिल किये थे, कोहली ने 909 पॉइंट्स हासिल किये थे। पांचवें स्थान पर आरोन फिंच का नाम है, जिनके नाम 904 पॉइंट्स थे। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने 900 अंक जुटाए थे। अभिषेक शर्मा ने एक झटके में इन सभी दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया।

सूर्यकुमार यादव को नुकसान

पूरे एशिया कप में फ्लॉप खेल की वजह से सूर्यकुमार यादव की रैंकिंग में गिरावट दर्ज की गई, वह दो पायदान नीचे गिरकर अब आठवें स्थान पर आ गए हैं। फाइनल में धमाल मचाने वाले तिलक वर्मा की रैंकिंग में बदलाव नहीं हुआ, वह तीसरे स्थान पर बने हुए हैं।

जावा येजदी मोटरसाइकल्स ने प्रीमियम लिमिटेड-एडिशन सिंगल-ओरिजिन येजदी कॉफी लॉन्च की

लखनऊ। जावा येजदी मोटरसाइकल्स ने एक बार फिर ब्रांड लव प्लेबुक को नए सिरे से परिभाषित करते हुए कॉफी की राजधानी कूर्ग में होमकमिंग राइड का आयोजन किया। कंपनी ने अपने प्रतिष्ठित जावा येजदी नोमैड्स राइडिंग प्रोग्राम को फिर से जीवित किया और अपने एसएलएन कॉफी एस्टेट में लेविस्ता कॉफी के साथ साझेदारी में सिंगल-ओरिजिन, गॉरमेट 'येजदी कॉफी' लॉन्च की। 2018 में कंपनी ने मिड-साइज सेगमेंट में परफॉर्मेंस क्लासिक मोटरसाइकल्स लॉन्च कर प्रतिष्ठित ब्रांड्स जावा और येजदी की वापसी दर्ज की थी। परंपरागत रास्ते से हटकर, जावा येजदी मोटरसाइकल्स ने साझा मूल्यों के इर्द-गिर्द समुदायों और सबकल्चर के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया। प्रेरणा क्या थी? प्रामाणिक उपयोगकर्ता अनुभव, जिसने स्थायी ब्रांड वफादारी बनाई। क्लासिक लीजेंड्स के सह-संस्थापक अनुपम ठरेजा ने कहा, 'मोटरसाइकलिंग में, एक प्रतिष्ठित ब्रांड का निर्माण केवल असाधारण मशीनें बनाने तक सीमित नहीं है। जब हमने 2018 में शुरूआत की, तो हमने ऐसे क्लासिक विरासत में पाए जिनकी प्रामाणिक कहानियां किसी भी कृत्रिम नैरेटिव से मेल नहीं

खा सकती थीं। नॉस्टैल्जिया ने दरवाजे खोले, लेकिन वास्तविक ब्रांड लव हमारे ग्राहकों के राइड अनुभवों से फला-फूला. लेह-लद्दाख में नोमैड्स राइड्स से लेकर कोवलोंग में सर्फिंग तक, फोर्सेस के साथ साझेदारी और ग्राहकों की दिल छू लेने वाली कहानियों जैसे प्रामाणिक अनुभवों ने हमारी यात्रा को आकार दिया। नोमैड्स 2025 और येजदी कॉफी का लॉन्च हमारे नवाचारी मार्ग का उदाहरण है। लेविस्ता की विशेषज्ञता से तैयार येजदी कॉफी मोटरसाइकलिंग और कॉफी को पूरी तरह से जोड़ती है और खोज की भावना को आनंद के पलों से जोड़ती है।ह्व 2025 का जावा येजदी नोमैड्स ब्रूस्केप, जिसे 'रूट्स टू रूट्स' कहा गया, एक इमर्सिव राइडिंग अनुभव था जिसमें नई लॉन्च की गई येजदी रोडस्टर को प्रदर्शित किया गया। यह यात्रा मैसूर से शुरू हुई, जो आइडियल जावा का जन्मस्थान है, और कूर्ग के मदिकेरी में समाप्त हुई, जो भारत की सबसे प्रामाणिक कॉफी किस्मों का घर है। इस राइड ने राष्ट्रीय मीडिया, उत्साही लोगों और मोटरसाइकलिंग विशेषज्ञों को 2025 येजदी रोडस्टर का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान किया, साथ ही विरासत, समुदाय और कॉफी सबकल्चर के गहरे बंधन पर जोर दिया। स्पेशल एडिशन येजदी . लेविस्ता कॉफी पैक दो वैरायटी में उपलब्ध है, जिन्हें कूर्ग की समृद्ध कॉफी विशेषज्ञता को दर्शाने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। पहली वैरायटी 100 प्रतिशत अरेबिका, सिंगल-ओरिजिन ब्रू है, जो मैसूर नगेट्स एक्स्ट्रा बोल्ड, एएए-ग्रेड बीन्स से बनी है। 1000 मीटर की ऊंचाई पर कूर्ग में उगाई गई यह मीडियम रोस्ट चंद्रगिरि किस्म, स्मूथ चॉकलेट, टोस्टेड नट्स और कैरामेल के साथ साइट्रस और मिट्टी जैसे मसालों के संकेत वाले समृद्ध फ्लेवर प्रोफाइल देती है। दूसरी वैरायटी टॉप-ग्रेड रोबस्टा और अरेबिका बीन्स का परफेक्ट ब्लेंड है। यह मीडियम रोस्ट सॉल्युबल कॉफी है और रिच, सुगंधित फ्लेवर के साथ सिल्की स्मूथ टेक्सचर और उल्लेखनीय गहराई प्रदान करती है। साथ मिलकर, येजदी . लेविस्ता कॉफी मोटरसाइकलिंग प्रेमियों के लिए एक बेजोड़ अनुभव है, जो अक्सर आत्मीय और आनंददायक कॉफी के प्रति गहरी रुचि व्यक्त करते हैं।

नेपाल को मिली नई 'जीवित देवी', ढाई साल की आर्या तारा शाक्य बनीं कुमारी, जानें सदियों पुरानी रहस्यमयी परंपरा

नेपाल, अपनी सदियों पुरानी संस्कृति और अनूठी परंपराओं के लिए जाना जाता है।

इन्हीं में से एक है 'कुमारी प्रथा', जहाँ एक नन्हीं बच्ची को साक्षात देवी का अवतार मानकर पूजा जाता है। हाल ही में, मात्र ढाई साल की आर्यतारा शाक्य को नई कुमारी देवी के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है, जिसने एक बार फिर इस रहस्यमय परंपरा को सुर्खियों में ला दिया है। यह सिर्फ एक अभिषेक नहीं, बल्कि काठमांडू की संस्कृति का एक अहम हिस्सा है, जहां एक छोटी, सुंदर और शालीन बच्ची, अपने एकांत जीवन के साथ, लाखों लोगों के लिए सौभाग्य और आस्था का प्रतीक बन जाती है।

उ.प्र. सीएम योगी आदित्यनाथ जी ने गोरखपुर स्थित गोरखपुर मंदिर में शारदीय नवरात्रि की महानवमी के पावन अवसर पर शक्ति स्वरूपा कन्याओं के पांव पखारे। मुख्यमंत्री जी ने कन्या पूजन कर लोक कल्याण की कामना की।

पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद करके टीम लखनऊ ने रचा इतिहास

टीम लखनऊ और अमन शांति समिति द्वारा बाढ़ पीड़ितों की युद्ध स्तर पर मदद की मुहिम जारी

पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद में जहां कोई नहीं, वहां सेना के सहयोग से पहुंची टीम लखनऊ

बेहद खराब रास्तों पर चलकर बॉर्डर के आखिरी गांव तक मदद पहुंचाने में सफल रही टीम लखनऊ और अमन शांति समिति

लखनऊ। टीम लखनऊ और अमन शांति समिति के सदस्यों द्वारा पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की मदद की मुहिम जारी है।दोनों टीमों के सदस्यों ने गांव गांव जाकर राहत सामग्री बांटी। बेहद खराब रास्तों पर चलकर टीम ने सिंहोके, मलकपुर, आवान, गुजरपुर, थोबे, चौंचकवाल, चकडोगरा, रामदास, गुरुद्वारा डेरा बाबा नानक, सन्ना शरण, पिंड घटिये केबेद, बाल्डवाड सहित कई अन्य गांवो में जाकर राशन, तिरपाल, मच्छरदानी, चप्पल, दवाईयां, नए

कपड़े, डाइपर, सेनेटरी पैड, स्कूल बैग, कुकर, बिस्कुट, रस आदि लोगो के बीच वितरित किया।

बच्चे स्कूली बैग पाकर बहुत खुश हो गए।इस अवसर पर लखनऊ के टीम लीडर मुर्तजा अली और सहयोगी संस्था अमन शांति समिति के अध्यक्ष इमरान कुरैशी ने बताया कि मौलाना अत्यंत खराब रास्तों पर टीम लखनऊ और अमन शांति के सदस्यों ने जान की बाजी लगाकर बोर्डर के आखिरी गांव तक जाकर बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री उपलब्ध कराई है।उन्होंने बताया कि टीम लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, समाजसेवी मुरलीधर आहूजा और निगहत खान की सरपरस्ती में इंसानियत का कार्य करके बड़े पैमाने पर बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है।राहत अभियान में टीम लखनऊ के सचिव, मुर्तजा अली, संयुक्त सचिव जुबैर अहमद, संस्थापक सदस्य कुदरत उल्लाह खान, मीडिया प्रभारी अब्दुल वहीद, जसबीर गांधी, वामिक खान, इरफान शेख, शाहबाज खान, अमन शांति समिति की ओर से इमरान कुरेशी, जमील मालिक, खालिक सिद्दीकी, गुफरान, रेहान, जहरान, रईस, आरिफ यह सभी मौजूद रहे और पंजाब में मदद का बेहतरीन काम किया।राहत अभियान में सेना के सूबेदार सुदामा यादव, रिटायर्ड कैप्टन दिलबाग सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

टीम लखनऊ मीडिया प्रभारी अब्दुल वहीद ने बताया कि टीम लखनऊ के आवाहन पर बाढ़ पीड़ितों के लिए बड़े पैमाने पर अमन शांति समिति, रायल कैफे, ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश, एहसास फाउंडेशन, उ.प्र. ज़िला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन, उ०प्र० आर्टिस एसोसिएशन, बसेरा एस्टेट कंसल्टेंट्स,

इंडियन एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी, राहत-ए-इंसानियत ट्रस्ट, खान ग्रुप इंटरनेशनल, बैदेही वेलफेयर फाउंडेशन, ए.डी. आई न्यूज, एम.एच. चैरिटेबल ट्रस्ट, अंजुमन इस्लाहुल मुस्लिमीन, मिल्ली फाउंडेशन, इंसानियत वेलफेयर सोसायटी, पीस एजुकेशन चैरिटेबल ट्रस्ट, वृन्दावन बोटलर्स प्रा० लि०, इमेजिन ग्रुप, उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल,

वाहिद बिरयानी ग्रुप, विमेंस आर्मी ट्रस्ट, जामिया मैमूना लिलबनात,

जर्मन होम्योपैथिक क्लीनिक, फेडरेल सिक्योरिटी प्रा.लि., राष्ट्रीय भागीदारी आन्दोलन, टीम केयर इंडिया एंड रिसर्च फाउंडेशन, राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन, मस्जिद अजहर अली, मदरसा आलिया इरफानिया, फहमीना नर्सिंग होम, सिटी नर्सिंग होम, यू पी 6 विचार मंच, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी आदि संगठनों ने टीम लखनऊ को राहत सामग्री उपलब्ध कराई थी।

मिल्कीपुर विधायक ने किया दुर्गा पंडालों का भ्रमण, क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए की प्रार्थना

मिल्कीपुर। शारदीय नवरात्रि की नवमी के अवसर पर मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान ने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर माता रानी का पूजन-अर्चन किया और जनमानस की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

विधायक सबसे पहले रामनगर अमानीगंज पहुंचे, जहां स्थानीय लोगों द्वारा सजाए गए दुर्गा पंडाल में उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद वे मेहंदी चंदौरा और चंदौरा अमानीगंज के तीनों पंडालों में पहुंचे और श्रद्धालुओं से मिले।

यात्रा के क्रम में उन्होंने हरकपुर अमानीगंज, अमानीगंज बाजार और बुलाकी तारा अमानीगंज में भी दर्शन किए। विधायक ने ललुवा पुर और गंगा शुकुल का पुरवा पहुंचकर मां दुर्गा का आशीर्वाद लिया।

इसके बाद उनका काफिला कोटिया, कोटिया चौराहा और मोहली तक गया, जहां बड़ी संख्या में लोग पूजा-अर्चना के लिए एकत्र थे।खण्डासा चौराहा के दोनों पंडालों में विधायक ने पूजा की और भक्तजनों से संवाद किया। आगे वे अकमा गांव और कुमारगंज क्षेत्र के पंडालों में पहुंचे। कुमारगंज में उन्होंने सब्जी मंडी, मंदिर और वार्ड नंबर 7 समेत कुल सात स्थानों पर माता रानी का दर्शन-पूजन किया।

अंत में विधायक ने उमरहर और पूरे तोर का पुरवा कोटिया पहुंचकर मां दुर्गा की आराधना की और जनता की मंगलकामना की।इस अवसर पर विधायक ने कहा कि 'मां जगत जननी का आशीर्वाद क्षेत्र पर सदैव बना रहे और सभी भक्तजनों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो।

मुंबई मेट्रो बन रहा शहर की विरासत का भी रखवाला, इस स्टेशन पर शुरू की गई खास पहल

(जीएनएस)।

मुंबई मेट्रो ने न सिर्फ मुंबईकरों की जिंदगी आसान बनाई है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अपना अहम योगदान दे रही है। इसके अलावा, मेट्रो अब शहर के ऐतिहासिक महत्व की चीजों के संरक्षण का भी जरिया बन रही है। मेट्रो शहरवासियों के लिए यातायात को सरल बनाने का जरिया भर नहीं रही, बल्कि यह शहर की सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक तकनीक का संगम भी बन रही है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है हुतात्मा चौक मेट्रो स्टेशन, जो जल्द ही यात्रियों के लिए तैयार होने वाला है।

हुतात्मा चौक मेट्रो स्टेशन के लोकेशन की बात करें, तो यह ऐतिहासिक फ्लोरा फाउंटेन और डी.एन. रोड के नीचे स्थित है। यहां मेट्रो के निर्माण कार्य में खास तौर पर इसका ध्यान रखा गया कि मेट्रो स्टेशन के ऊपरी हिस्से में मौजूद ऐतिहासिक इमारतों और पुरानी शहर की स्काईइलाइन को संरक्षित किया जाए। यही वजह है कि स्टेशन की अधिकतर संरचना को अंडरग्राउंड हिस्से में रखा गया है। केवल लिफ्ट शाफ्ट और वेंटिलेशन पॉइंट्स ही जमीन के ऊपर दिखाई देंगे।

ऐतिहासिक संरक्षण पर भी दे रहा ध्यान

- हुतात्मा चौक स्टेशन का डिजाइन भी बेहद खास है। इसे इस तरह तैयार किया गया है कि पुरानी स्थापत्य शैली और आधुनिक आर्किटेक्चर दोनों का संतुलन बना रहे।
- आसपास की ऐतिहासिक इमारतों का सौंदर्य खराब न हो, इसे ध्यान में रखते स्टेशन के निर्माण में पत्थर और कांच का प्रयोग किया गया है। मुंबई

मेट्रो प्रशासन ने इस स्टेशन के लिए कहा है कि यह 'आधुनिकता और विरासत का संगम है।

मुंबई में हर साल बरसात के दौरान होने वाली मूसलाधार बारिश और शहर के कई हिस्सों में जलजमाव गंभीर समस्या बन जाती है। पानी भरने की इस चुनौती को देखते हुए हुतात्मा चौक मेट्रो स्टेशन में आधुनिक ड्रेनेज और फ्लड-प्रोटेक्शन सिस्टम लगाया गया है। इससे अब बरसात के मौसम में भी पानी भरने की वजह से यात्रियों को किसी तरह की असुविधा नहीं होगी। हुतात्मा चौक मेट्रो लाइन-3 में आता है जिस पर तेजी से काम चल रहा है। यह रूट जब पूरी तरह से चालू हो जाएगी, तो यह स्टेशन यात्रियों के लिए बड़ा केंद्र साबित होगा।

इससे न सिर्फ दक्षिण मुंबई की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, बल्कि यात्रियों को ट्रैफिक जाम और लंबी यात्रा से भी राहत मिलेगी। हुतात्मा चौक मेट्रो स्टेशन का निर्माण यह साबित करता है कि मुंबई जैसे महानगरों में शहर की धरोहर को संरक्षित रखते हुए आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर कैसे तैयार किया जा सकता है।

'सेल्समैन जैसे दिख रहे असीम मुनीर', पाक सेना प्रमुख की ट्रंप के सामने की गई इस हरकत पर भड़के पाक सांसद

(जीएनएस)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सैन्य प्रमुख आसिम मुनीर पिछले कुछ दिनों में लगातार अमेरिका यात्राएं कर रहे हैं। इतना ही नहीं पाकिस्तान की दो ये प्रमुख हस्तियां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने बिछी पड़ रही है। ट्रंप को रिझाने के लिए तरह-तरह के पैतरे अपना नहीं रही हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया पर आसिम मुनीर और पाक पीएम शहबाज शरीफ की एक फोटो वायरल हो रही है।उसमें असीम मुनीर ने ऐसी हरकत करते नजर आ रहे हैं, जिसने पाकिस्तानी नेताओं के लिए चिंता का विषय बन गई हैं। हाल ही में, सांसद ऐमल वली खान ने इन यात्राओं पर सवाल उठाते हुए दोनों नेताओं पर निशाना साधा है।

खान ने पाकिस्तानी संसद में मुनीर के अमेरिकी दौरे पर खास तौर पर आपत्ति जताई। उन्होंने पूछा कि सैन्य प्रमुख ने किस अधिकार से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दुर्लभ खनिज भेंट किए।

दरअसल, शरीफ और मुनीर ने हाल ही में व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी, जहाँ उन्होंने उन्हें दुर्लभ खनिज उपहार स्वरूप दिए। इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं।

वायरल तस्वीरों में आसिम मुनीर, ट्रंप को एक खुले लकड़ी के बक्से में रखे दुर्लभ खनिज दिखाते हुए नजर आए, जबकि शहबाज शरीफ उनके बीच खड़े थे। इस दृश्य ने पाकिस्तानी राजनीतिक गलियारों में बहस छेड़ दी है।

ऐमल वली खान ने संसद में कहा, "आसिम मुनीर उस समय किसी सेल्समैन की तरह दिखाई दे रहे थे, जो किसी भी तरह से कुछ चीज बेचना चाहते हैं। वहीं, शहबाज शरीफ बीच में मैनेजर की तरह यह पूरा ड्रामा देख रहे थे।"

उन्होंने आगे कहा कि सैन्य प्रमुख का विदेशी दौरे करना और कूटनीतिक बैठकों में शामिल होना देश के संविधान का उपहास है। खान के अनुसार, "यह हमारे देश और उसके संविधान पर मजाक है। कोई लोकतंत्र नहीं है। पाकिस्तान में तानाशाही है और यह संसद की अवमानना है।"

सोशल मीडिया पर वायरल हुई इस तस्वीर में आसिम मुनीर एक खुले लकड़ी के बक्से की ओर इशारा करते दिखाई दिए, जिसमें दुर्लभ खनिज रखे हुए थे। यह घटना पाकिस्तान में सैन्य और नागरिक नेतृत्व के बीच संबंधों और विदेश नीति में सेना की भूमिका को लेकर नई बहस को जन्म दे रही है।

लड़की बहिन योजना की महिलाओं के खाते में कब आएगी सितंबर माह की किस्त?

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये का लाभ प्रदान किया जाता है। हालांकि, अक्टूबर माह शुरू होने के बावजूद सितंबर माह का भुगतान अभी तक लाभार्थियों को नहीं मिला है। इससे लाडली बहनें असमंजस में हैं। सितंबर की किस्त का इंतजार कर रही बहनों के लिए एक महत्वपूर्ण अपडेट सामने आई है।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, सितंबर और अक्टूबर दोनों महीनों की किस्त एक साथ मिलने की प्रबल संभावना है। आमतौर पर त्योहारों के समय इस योजना की किस्त जारी की जाती है। इसलिए, दिवाली के शुभ अवसर पर सितंबर और अक्टूबर, दोनों महीनों का एक साथ लाभ दिया जा सकता है। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

लाभार्थी महिलाओं को सामान्यतः हर महीने की 15 तारीख के बाद योजना की किस्त मिलती है। लेकिन, पिछले कुछ महीनों से किस्त मिलने में देरी हो रही है। अक्टूबर शुरू होने पर भी सितंबर की किस्त का भुगतान नहीं हुआ है। अब, सितंबर और

अक्टूबर दोनों महीनों के लिए कुल 3000 रुपये की एकीकृत किस्त मिलने की संभावना है।

मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना का लाभ उठाने वाली सभी महिलाओं के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य कर दिया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग ई-केवाईसी के माध्यम से लाभार्थियों का आधार प्रमाणीकरण करेगा। यह प्रक्रिया अत्यंत सहज और सरल है, और महिलाओं के लिए अपने मोबाइल से इसे पूरा करने की प्रणाली विकसित की गई है।

पति और पिता की इनकम की देनी होगी जानकारी

राज्य सरकार अब लाडली बहना योजना की महिला लाभार्थी के साथ-साथ उनके पति या पिता की वार्षिक आय का भी सत्यापन करेगी। यदि महिला विवाहित है, तो पति की आय जाँची जाएगी, और यदि अविवाहित है, तो पिता की आय की जानकारी ली जाएगी।

पहले केवल लाभार्थी महिलाओं की आय पर विचार किया जाता था, जहाँ अधिकांश गृहिणियों और महिलाओं की आय 2.5 लाख रुपये से कम पाई गई थी। लेकिन अब परिवार की कुल आय जानने के लिए पति या पिता का ई-केवाईसी अनिवार्य कर दिया गया है।

मंत्री ने केवाईसी अपडेट करने की अपील

महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने लाभार्थियों से किसी भी वित्तीय मांग के झांसे में न आने की अपील की है। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री-माझी लाडकी बहिन" योजना में पारदर्शिता लाने और लाभार्थियों को नियमित रूप से वित्तीय लाभ सुनिश्चित करने के लिए, ई-केवाईसी सुविधा वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है।

ई-केवाईसी प्रक्रिया के लिए, लाभार्थियों को पर जाना होगा। होम पेज पर 'ई-केवाईसी' बैनर पर क्लिक करने से फॉर्म खुलेगा। लाभार्थी को अपना आधार नंबर और कैप्चा कोड दर्ज करना होगा, सहमति देनी होगी और 'ओटीपी भेजें' पर क्लिक करना होगा।

मोहसिन नकवी की कुर्सी छीनने की तैयारी, बीसीसीआई उठाने जा रही सबसे बड़ा कदम, एसीसी को मिल सकता है नया अध्यक्ष

(जीएनएस)।

मोहसिन नकवी ने बतौर एशियन क्रिकेट काउंसिल अपनी शक्तियों का दुरूपयोग किया है, यह सभी ने देखा है। भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप जीता था लेकिन तीन दिन बाद भी ट्रॉफी नहीं दी गई है। बीसीसीआई ने अब गंभीर कदम उठाने का सोचा है।

मामले को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। बीसीसीआई ने मोहसिन नकवी को एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष पद से हटाने का मन बनाया है। भारतीय बोर्ड अब उनको हटाने का प्रोसेस आगे बढाने के लिए तैयार है। उनके ऊपर लगे आरोपों के कारण ऐसा करने का सोचा जा रहा है। नकवी की निष्पक्षता और आचरण के ऊपर भी गंभीर सवाल खड़े हुए हैं।

न्यूज 18 के अनुसार भारत नकवी को हटाने की मांग करेगा और दलील यह रहेगी कि उन्होंने बतौर अध्यक्ष मूल जिम्मेदारियों का उल्लंघन किया

है। नकवी पाकिस्तान सरकार में गृह मंत्री भी हैं। इसके अलावा वह पीसीबी के हेड और एसीसी अध्यक्ष भी हैं। वह एसीसी के प्रोटोकॉल का पालन किये बिना ट्रॉफी और मेडल अपने साथ लेकर चले गए थे।

भारत ने इन घटनाओं के ऊपर आपत्ति जताते हुए एशियन क्रिकेट परिषद की निष्पक्षता और टूनार्मेंट की गरिमा को ठेस पहुँचने की बात कही है और इसका जिम्मेदारी मोहसिन नकवी को माना गया है। भारत का मानना है कि पाकितान के गृह मंत्री और एसीसी अध्यक्ष के रूप में दोहरी जिम्मेदारी से हितों का टकराव पैदा होता है, इससे क्रिकेट प्रशासन में राजनीति घुसती है। इससे एसीसी को निष्पक्ष रूप से चलाने की व्यवस्था का सिद्धांत भी पूरा नहीं हो रहा। दुबई में ट्रॉफी के मामले को लेकर जो किया गया, वह दर्शाता है कि नकवी पाकिस्तान के गृह मंत्री के तौर पर यह कर रहे थे।

एसीसी में मुख्य वित्त योगदान देने वाला भारत अन्य न्यूट्रल बोर्ड के साथ मिलकर यह लॉजिक देने के पक्ष में हैं कि नकवी अब परिषद की अध्यक्षता करने का नैतिक अधिकार खो चुके हैं। एसीसी की विश्वसनीयता को बहाल करने के लिए उनके खिलाफ महाभियोग या अविश्वास प्रस्ताव लाना जरूरी है।

बोर्ड ने नकवी को कहा था कि ट्रॉफी और मेडल्स अगर उनसे नहीं लिए जा रहे हैं, तो अमीराती बोर्ड के किसी अधिकारी से ये इनाम दिलाए जा सकते हैं। नकवी ने ऐसा नहीं किया, इंतजार करने के बाद वह वेन्यू छोड़कर चले गए और ट्रॉफी भी साथ ले गए। खबरों के अनुसार ट्रॉफी अब अबू धाबी स्थित अमीरात क्रिकेट बोर्ड के हेड क्वार्टर में है और वे जल्द से जल्द इसे भारत को देने की तैयारी में हैं।